KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक

# कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

website: www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-5 | अंक-1 | अगस्त-2021 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

स्व. श्री बृजराज जी आर्य ( राहोरिया ) के आशीर्वाद से

श्री नरेन्द्र आर्य एवं विरल विरोश आर्य ब्यावर के

नवीन प्रतिष्ठान

# विरल पेट्रोलियम

नयारा ( एस.आर. पम्प )

कॉलेज रोड, पानी की टंकी के पास, ब्यावर, जिला अजमेर ( राजस्थान )

सम्बन्धित फर्म

- विरल बृज लीला गार्डन
- स्काई डांस एकेडमी
- जिम एवं योगा क्लासेज

मो. 8107944493 नरेन्द्र, 9352411106 विरल

# कुमावत प्रगति ट्रस्ट

**पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **मुख्य संरक्षक** | : | सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) | **मो. 9414994006** |
| **अध्यक्ष** | : | रमेश कुमावत (गेदर) | **मो. 9414554322** |
| **उपाध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट | **मो. 9887440666** |
| **सचिव** | : | श्रीमती भारती तोंदवाल | **मो. 9414810584** |
| **कोषाध्यक्ष** | : | लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल | **मो. 9549656438** |
| **सदस्य ट्रस्टी** | : | सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल) | **मो. 9829056063** |
| | | हेमचन्द खड़गटा | **मो. 9351682036** |
| | | मनोज सिरस्वा | **मो. 9414043127** |
| | | रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) | **मो. 9414074376** |
| | | जयकिशन सोकिल | **मो. 9829125428** |
| **चेतन बालोदिया सलाहकार** | : | चेतन बालोदिया<br>गिरधारी लाल सिंघनवाल | **मो. 9414052736**<br>**मो. 9414263429** |

**सम्पादक मण्डल :** रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

**व्यवस्थापक मण्डल :** महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428 एवं खेमचंद खड़गटा 9829140629

**पत्रिका सहयोगी :**

**छत्तीसगढ़ :** रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

**सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600**

**विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700**

**नोट 1 :** संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

**नोट 2.** 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

**बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385**

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

**स्वत्वाधिकार :** कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)


## सम्पादकीय

**शरोरामायं खलु धर्म साधनम्**

अर्थात शरीर कर्तव्य पालन का पहला साधन है। जीवन की पहली आवश्यकता स्वस्थ शरीर ही है। व्यायाम तथा जिमनास्टिक से शरीर स्वस्थ रहता है परंतु खेलों से व्यायाम के साथ-साथ मनोरंजन भी होता है। प्रगतिशील और आधुनिक बनने की दौड़ में हम अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। हमारे बच्चे खेल के महत्व को भूल कर मोबाइल, लैपटॉप और वीडियो गेम्स ही खेलते हैं। स्कूलों में शिक्षा पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है लेकिन खेलों पर नहीं। खेल से सहिष्णुता, धैर्य और साहस का विकास के साथ-साथ आत्मविश्वास, सामूहिक सद्भाव और भाईचारे की भावना बढ़ती है। खिलाड़ी तन-मन से स्वस्थ होते है इससे वे जीवन में सहजता से काम कर सकते है। हमें अपने बच्चों को शुरू से ही उनकी रूचि अनुसार खेलों में भाग दिलाकर उनको प्रोत्साहित करना चाहिए।

भारत ने प्रथम बार वर्ष 1900 में ओलिम्पिक खेल में भाग लेना प्रारंभ किया था। भारत ने पिछली बार 6 पदक जीते हाल ही में संपन्न 'टोक्यो ओलिंपिक' में 121 वर्ष में पहली बार 7 पदक जीते। उससे पहले आंकड़ा तीन मेडल के पार नहीं जाता था। इतिहास में पहली बार भारत को एथलेटिक्स में 7 अगस्त 2021 को नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मैडल दिलाकर भारत मां का स्वर्ण श्रृंगार किया। भारत एक स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य पदक जीतकर सूची में 48 वें नंबर पर रहा। यह हमारे देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। भारतीय टीम के साथ सभी को बहुत-बहुत बधाई। किंतु विश्व में जनसंख्या के हिसाब से दूसरे और अर्थव्यवस्था से चौथे पायदान पर खड़े हमारे देश के लिए मेडल तालिका में 48 वें स्थान पर आना व यूरोप और अमेरिका के अमीर देशों के अलावा केन्या, युगांडा, जमैका, उज़्बेकिस्तान और बहामास जैसे देशों से भी पीछे रहना गहन चिंतन का विषय है।

देश ने इस ओलंपिक में पहली बार महिलाओं का सम्मान करना सीखा है। हाकी की महिला टीम को मेडल भले ना मिला किंतु देश का प्यार पुरुष टीम से कम नहीं मिला। इस ओलिंपिक की सफलता मेडल की संख्या में नहीं बल्कि गुणवत्ता में है इसमें हॉकी, कुश्ती, बॉक्सिंग, वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स जैसे उन खेलो में सफलता प्राप्त की जो आसानी से हमारे देहात गांवों में खेल सकते हैं। साथियों, हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है अपने खोए हुए आत्म विश्वास को पाने की, जिसकी उम्मीद जगी है।

इस बार भी छह व्यक्तिगत मेडल में से 3 हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। हरियाणा के लोग खेलों के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित हैं, यहां पर स्कूल कालेज स्तर पर खिलाड़ियों को नकद अवार्ड्स दिए जाते है, कोच की ट्रेनिंग विदेशों में होती है, जगह-जगह खेल नर्सरिया है, स्कूल कॉलेज स्तर पर नेशनल मेडलिस्ट को रु. 6 लाख का नकद मिलता है इसके फलस्वरुप हरियाणा देश के अन्य राज्यों से आगे है। अन्य प्रदेशों को इससे सीख कर भावी योजनाएं बनानी चाहिए ताकि हमारे देश को भी पदक सूची में आगे लाया जा सके।

अभी भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि) के उत्तरी पूर्वी जोन, राजस्थान में होने वाले विभिन्न स्थानों पर चुनाव संपन्न होंगे। चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने निज स्वार्थ को छोड़कर समाज के उत्थान हेतु काम करने वाले निष्पक्ष, समाजसेवी और योग्य उम्मीदवार को निर्वाचित करें। कुमावत इंडिया पत्रिका ने आप सभी के सहयोग से 4 वर्ष की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर इस अंक से 5वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। आप सभी का स्नेह, सहयोग व अशीर्वाद 'कुमावत इंडिया' पत्रिका पर सदैव बनाये रखें।

**- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)**

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।


| | |
|---|---|
| सम्पादकीय | 3 |
| विज्ञापन | 4 |
| कुमावत गौरव : डॉ. पी.एम. कुमावत | 5 |
| कुमावत इंडिय पत्रिका के स्वर्णिम 4 वर्ष पूर्ण | 5 |
| 75वें स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न समाजजनों एवं संस्थाओं द्वारा झंडारोहण | 6 |
| बधाई : विज्ञापन | 6 |
| समाजबंधुओं की स्मृति में 51 पौधों का रोपण किया | 7 |
| महासभा भवन उदयपुर में वृक्षारोपण | 7 |
| सीड्स बाल्स् से पौधारोपण | 7 |
| परम गौ भक्त नंदकिशोर कुमावत का किया सम्मान | 8 |
| लहरिया उत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन | 8 |
| राज्यपाल को पेंटिंग भेंट | 8 |
| पाठक प्रतिक्रिया | 9 |
| महासभा भवन उदयपुर | 9 |
| विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित | 10 |
| डॉ. सागरमल कुमावत | 11 |
| सांवेर में राममंदिर का जीर्णोद्धार | 11 |
| जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) वार्ड 141 से भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मनोनीत | 11 |
| तुलसी देवी कुमावत, शिक्षा स्थाई समिति की अध्यक्ष बनी | 11 |
| कलयुग ही नहीं द्वापर युग में भी जीवन रक्षा के लिए किया था लॉकडाउन | 12 |
| राजस्थान के प्रसिद्ध लोक देवता रामदेवजी | 13 |
| श्री क्षत्रिय कुमावत समाज की नई कार्यकारिणी गठित | 13 |
| हिंदी कल, आज और कल | 14 |
| फौज के वतन परस्ती जज्बे को बयां करते गीत की हुई लांन्चिंग | 15 |
| विज्ञापन : बधाई | 15 |
| 12वीं के प्रतिभावान छात्र=छात्राएं | 16 |
| 10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं | 17 |
| सत्य प्रकाश वर्मा आरएचबी में कर्मचारी अध्यक्ष बने | 18 |
| कुमावत इंडिया पत्रिका के जयसिंह गुडीवाल सह-सम्पादक मनोनीत | 18 |
| विज्ञापन : बधाई | 18 |
| आखिर शिक्षा क्यों जरूरी है ? | 19 |
| कृष्ण, कृष्ण और कृष्ण: श्रीकृष्ण जीवन के अनजाने और रहस्यमयी तथ्य | 20 |
| शिक्षक दिवस विशेष | 21 |
| 32वें टोक्यो ओलम्पिक - एक नजर में | 22 |
| टोक्यो ओलम्पिक की 2 महान घटनाएं जो स्वर्णिम इतिहास बन गईं | 22 |
| भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) चुनाव महासभा एवं उसके चुनाव पर चर्चा | 23 |
| विशिष्ठ संरक्षक | 24 |
| श्रद्धांजलि | 24 |
| विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची | 25 |
| 'कुमावत इंडिया' पत्रिकानहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें | 26 |
| विज्ञापन : वैवाहिक, बधाई | 27 |
| जामुन के फायदे | 28 |
| नवोदित आर्टिस्ट नीरज कुमावत | 28 |
| श्रद्धांजलि विज्ञापन | 29 |
| स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित समाजजनों को बधाई | 30 |
| वधाई विज्ञापन | 30 |



भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.)

उत्तरी-पूर्वी जोन राजस्थान

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रत्याशी

(लालकोठी, टोंक फाटक)

चुनाव चिह्न

बस

आपके साथ आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सदैव प्रयासरत

क्रम संख्या

2

रूप सिंह कारगवाल

को अपना अमूल्य मत एवं समर्थ देकर विजयी बनायें

मो. : 9314502407

मतदान तिथि : 29 अगस्त, 2021 समय : प्रातः 8.00 से सायं 5.00 तक

स्थान : शिव-हनुमान मंदिर पार्क, लालकोठी योजना, जयपुर

# डॉ. पी.एम. कुमावत

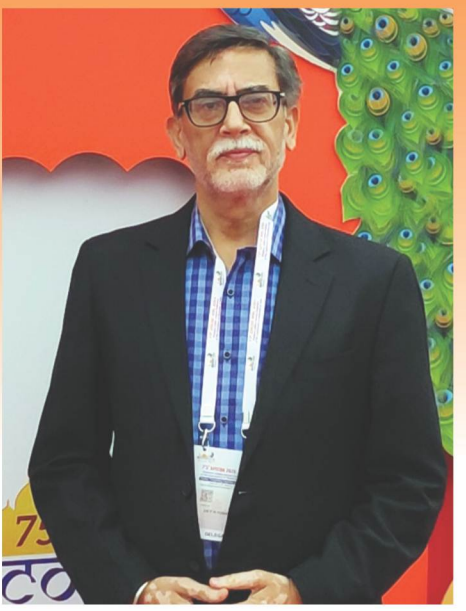

डॉ. पी.एम. कुमावत वर्तमान में उज्जैन (म.प्र.) में अपनी गरिमामय सेवाएं 'हृदय रोग विशेषज्ञ' के रूप में अपने मरीजों को दे रहे हैं।

आप एक स्थापित डॉक्टर के रूप में अपने निवास व दूसरी क्लिनिक पर अपने मरीजों के प्रति समर्पित सेवाएं दे रहे हैं साथ ही सामाजिक सरोकार से भी आपका जुड़ाव है। आपने निर्धन मरीजों का नि:शुल्क व न्यूनतम शुल्क लेकर इलाज किया है।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती रेणु कुमावत जयपुर से हैं वे उज्जैन के सेंटपॉल में व्याख्याता पद पर कार्यरत हैं। जिन्होंने M.A., M.Phil की शिक्षा प्राप्त की। आपकी सुपुत्री पांखुरी BDS व दामाद MDS हैं। जो कर्नाटक (बेलगाम) में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। एक पुत्र श्री विशेष कुमावत भोपाल में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में MBBS में अध्ययनरत है।

आपके पिता स्व. आनन्दीलाल कुमावत (रेनीवाल) 30 सितम्बर, 1935 को जिला देवास (म.प्र.) में एक कृषक परिवार में जन्मे, वे पढ़ाई के शौकीन थे तथा वहीं के के.पी. कॉलेज से इंटर पास कर व्याख्याता बने। बाद में वायुसेना में भर्ती होकर सन् 1965 व 1971 के युद्ध में सहयोग करते हुए कई प्रशस्ति पत्र व मैडल प्राप्त किए। इसी सेवा में रहते हुए एअरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। 1985 में सेवानिवृत्त होकर उज्जैन के SBI बैंक में आठ वर्ष सेवाएं दीं।

आपके दो पुत्र श्री प्रेमेन्द्र मोहन व श्री देवेन्द्र मोहन हैं। श्री प्रेमेंद्र मोहन ने MBBS, MD गजराजराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर से करके शासकीय सेवा में कदम रखा। विभिन्न ग्रामीण व तहसील क्षेत्रों में 8 वर्ष सेवाएं देकर उज्जैन में पदोन्नत (मेडिकल स्पेशलिस्ट) होकर वहीं निवास कर लिया तथा 26 वर्ष निरंतर सेवारत रहकर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वी.आर.एस.) ले लिया।

कुमावत इंडिया पत्रिका डॉ. पी.एम. कुमावत के द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में दी जा रही विशेषज्ञ सेवाओं की प्रशंसा करती है तथा इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

## 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के स्वर्णिम 4 वर्ष पूर्ण

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका के 20 अगस्त, 2021 को स्वर्णिम 4 वर्ष पूर्ण करने पर 'कुमावत इंडिया' परिवार का स्वागत किया गया। टीम चेतन धुंधारिया द्वारा पुष्पमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर 'कुमावत इंडिया' परिवार का मुँह मीठा करवाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश गैदर व उनकी पूरी टीम द्वारा केक भी काटा गया। पत्रिका के 4 वर्ष पूर्ण होने पर गणमान्य समाजबंधुओं, प्रबुद्धजनों, सामाजिक संस्थाओं का शुभकामनाएँ देने का सिलसिला जारी है।

इस अवसर पर टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने कहा कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने कुमावत समाजबंधुओं के मन में जो नवजागृति, नवचेतना और उत्साह का संचार किया है यही कारण है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका आज हर कुमावत के हृदय में विराजमान है। यह पत्रिका समाज की सच्ची, निर्भीक, निष्पक्ष, समाज के लिए प्रेरणादायक, सामाजिक सरोकारों की जिम्मेदारी को बखूबी निभा रही है। अल्प समय में कुमावत इंडिया पत्रिका ने समाज मे अपनी अमिट पहचान बनाई है। राकेश कुमावत एडवोकेट ने कहा कि समाज को नई दिशा प्रदान करने, समाज को बेहतर सुविधाएँ मुहैया कराने का प्रयास कुमावत इंडिया पत्रिका टीम अपनी पूरी तन्मयता के साथ पूरा कर रही है। भेदभाव रहित समाज उत्थान के लिए काम करने वाली जुझारू टीम को मेरी शुभकामनाएँ। इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गेदर, सी.एम. बडीवाल ट्रस्टी, चेतन बालोदिया ट्रस्टी, मनोज सिरस्वा ट्रस्टी, रामप्रकाश मारवाल ट्रस्टी व सम्पादक, जयसिंह गुडीवाल सह सम्पादक, खेमचंद खड़गटा व्यवस्थापक मंडल सदस्य, टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत, राकेश कुमावत एडवोकेट उपस्थित थे। रमेश गेदर ने टीम चेतन धुंधारिया को धन्यवाद दिया और कहा कि समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए टीम चेतन धुंधारिया जो कार्य कर रही है वो प्रशंसनीय व सराहनीय है, मैं कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार की ओर से पूरी टीम का आभार व्यक्त करता हूँ।

बाल निवास, जयपुर

श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज इंदौर

श्री कृष्ण कुमावत समाज बड़ंगपेट

नगर निगम वार्ड नं 47 में प्रत्याशी श्योदानाराम कुमावत

कुमावत छात्रावास, जैतारण

विरल पेट्रोलियम, कॉलेज रोड, ब्यावर पर श्री नरेंद्र कुमार आर्य ने झंडारोहण किया तथा पेट्रोल उपभोक्ताओं के लिए एक स्कीम लाँच की जिसमें बाइक में रु. 300 तथा 1000 का इंधन भरवाने पर लक्की ड्रा का कूपन दिया जाएगा। जिसमें 5 लक्की कूपन के ड्रा जीतने वालों को प्रतिदिन 1 लीटर का पेट्रोल नि:शुल्क दिया जाएगा। महिलाओं के लिए प्रति लीटर 1 रुपए का डिस्काउंट दिए जाने की घोषणा की।

कुमावत छात्रावास, सीकर

हमारी टीम के प्रवक्ता

**जयसिंह गुडीवाल** को

**कुमावत इंडिया पत्रिका में**

**सह-सम्पादक**

**व**

**भाजपा द्वारा वार्ड 141 का**

**अध्यक्ष**

**मनोनीत किये जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ**

शुभेच्छु :

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

**टीम चेतन धुंधारिया**

चेतन धुंधारिया 9829017584, 8209687840

## समाजबंधुओं की स्मृति में 51 पौधों का रोपण किया

08 अगस्त 2021 को श्रावण मास की हरियाली अमावास्या (पितृ दिवस) के अवसर पर श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज, **इंदौर** के तत्वावधान में कुमावत युवा संगठन इंदौर ने पितृपर्वत भक्त हनुमान मंदिर, इंदौर पर गतवर्ष 21/03/2021 से लेकर 21/07/2021 तक करोनाकाल के दौरान दिवंगत हुए समाजबंधुओं की स्मृति में 51 पौधों का रोपण किया जिसमें बेलपत्र, नीम, पीपल, बरगद, जाम, अशोक, आंकडा, आदि थे। पौधारोपण के दौरान वरिष्ठ पत्रकार मनोहरलालजी कुमावत उज्जैन व समाजसेवी नन्दकिशोरजी डाबरिया ने भी शामिल होकर अपने परिजनों की स्मृति में पौधे रोपकर गोशाला में गायों को हरी घास खिलाकर पुण्यलाभ लिया।

इस अवसर पर समाज के सम्मानित एवं श्रद्धेय दिवंगत समाजजनों का स्मरण कर श्रृध्दांजली अर्पित की :

1) स्व. महेंद्र गजानंद कुदाल जी, परदेशीपुरा, 2) स्व. भँवरलाल लादुराम सारडीवालजी, 3) स्व. बजरंगलाल लच्छीराम ब्याडवालजी पवनपुरी कॉलोनी, 4) स्व. विमलादेवी नंदकिशोर कुदालजी, गायत्री पैराडाइज, 5) स्व. मोहनलाल पन्नालाल गोठवालजी महादेव तोतला नगर, 6) स्व. सत्यनारायण बरमुडाजी, 7) स्व. नोपाराम बिरदीचंद लाडण्वाजी शिवबाग कॉलोनी, 8) स्व. भंवरलाल लक्ष्मीनारायण मारोठियाजी आशीष नगर, 9) स्व. गोविंदराम हेमाराम किरोड़ीवाल जी सर्वसुविधा नगर, 10) स्व. मंगलचंद किरोड़ीवाल जी गोल्फ लिंक सिटी कनाडिया रोड, 11) स्व.विनोद बाबुलाल दंबिवाल जी पंडित दीनदयाल नगर, 12) स्वश्रीमती मीना-शेलेन्द्र कुलचानिया, उज्जैन

वृक्षारोपण के बाद गौशाला जाकर सभी साथियों ने गौग्रास खिलाया तथा भुरी टेकरी स्थित बस्ती के बच्चों को भोजन के पैकेट तथा वस्त्रों को वितरण किया। इस अवसर पर कुमावत समाज के गणमान्य जन उपस्थित थे। -श्री राजस्थान क्षत्रिय कुमावत समाज इंदौर

## महासभा भवन उदयपुर में वृक्षारोपण

8 अगस्त को भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा भवन प्रांगण, उदयपुर पर महासभा आर्थिक सहायता समूह द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगर निगम वार्ड नं. 60 की पार्षद श्रीमति नेहा टाँक द्वारा ग्यारह ट्री गार्ड एव औषधीय पौधे नगर महासभा को भेंट किये गए। नगर महासभा अध्यक्ष युवराज सिंह नाहर द्वारा पार्षद श्रीमती नेहा जी टाँक का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाजबन्धुओं ने महासभा टीम को धन्यवाद दिया।

अध्यक्ष ने बताया कि भवन निर्माण द्वितीय चरण का शेष कार्य अतिशीघ्र आरम्भ किया जाएगा। जिसके लिए सभी समाज बन्धुओं को अधिक से अधिक इस समाज हित कार्य मे जुड़ कर अपना आर्थिक योगदान देने हेतु आग्रह किया गया।

- वीएल मंडावरा, मंत्री(प्रशासनिक)

## सीड्स बाल्स् से पौधारोपण

क्षत्रिय कुमावत समाज महिला मंडल, मंदसौर के तत्वावधान में हरियाली तीज के अवसर पर संत ऋषियानन्द जी की कुटिया व वात्सल्य धाम (वृद्धाआश्रम) एंव अनामिका जनकल्याण विक्षप्त महिला आश्रय गृह एंव पुनर्वास केंद्र परिसर मे इन सीड्स बाल्स् से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पिछले अंक में महिलाओं द्वारा मातृशक्ति द्वारा खाद, बीज, मिट्टी से करीब 500 सीडस् बाल्स् बनाने की न्यूज दी गयी थी। आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण का कार्य किया गया है।

कुमावत महिला मंडल द्वारा फल व बिस्किट वृद्धाश्रम एंव विक्षिप्त महिला आश्रय गृह मे वितरित किए गए इस अवसर पर महिला मंडल की श्रीमती मधु जी नरानिया, कला जी जलवार, ऊषा जी पुचेरिया, सुनिता जी बरानिया, श्री कांता जी नोकवाल, मंजु जी कुराडिया, मनोरमा जी जाकडा, मधु जी नोकवाल, प्रिती जी कुमावत उपस्थित थे। श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज इंदौर एवं कुमावत युवा संगठन इंदौर ने कुमावत समाज की सभी महिलाओं का आभार व्यक्त किया है।

**-पियुष कुमावत, 9993003743**

## परम गौ भक्त नंदकिशोर कुमावत का किया सम्मान

हिन्दू धर्म के अनुसार गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। बताया जाता है कि गौ सेवा से भगवान श्री कृष्ण व लक्ष्मी माता का सीधा आशीर्वाद मिलता है। गाय के प्रत्येक अंग में ईश्वर का वास होता है। गौ कृपामृत प्रसादम योजना के अन्तर्गत गौ भक्ति परिवार जयपुर द्वारा आचार्य नर्मदा शंकर गुरूजी के सानिध्य में परम गौ भक्त नंदकिशोर कुमावत का सम्मान किया गया। सम्मान स्वरूप आचार्य नर्मदा शंकर गुरूजी द्वारा धेनु मानस ग्रंथ, पटका, माला तथा गाय के गोबर से बने ऊर्जा दीपक-वेदी द्वारा सूक्ष्म यज्ञ एक समग्र उपचार नामक यज्ञ सामग्री का एक पैकेट भी प्रदान किया।

नंदकिशोर कुमावत तन, मन और धन से समर्पित ऐसे गौ सेवक भक्त है जो विगत 20 वर्षों से अपने व्यवसाय के साथ-साथ गौ माता के प्रति रूचि रखकर सेवा कर रहे हैं। इस अवसर पर कुमावत ने कहा कि मनुष्य का जीवन गौ माता का ऋणी है जन्म देने वाली माँ के पश्चात् गौ माता का दूध ही सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। कार्यक्रम में राहत आदि शक्ति फाउंडेशन के संदीप पारीक ने भी नंदकिशोर कुमावत को गौ माता के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी गौ भक्तों ने गौ सेवा का संकल्प लिया।

## अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति के तत्वावधान में लहरिया उत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन

सावन में जहाँ भगवान शिव की उपासना की जाती हैं, वहीं महिलाएँ सावन माह में पहने जाने वाले लहरिया पहन कर सामूहिक रूप से मनोरंजन का आयोजन करती हैं, जिसे 'लहरिया उत्सव' कहा जाता है। जयपुर के बाल निवास, कल्याण जी का रास्ता में अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति के तत्वावधान में लहरिया उत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं ने जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मशहूर गायिका रश्मि बालोदिया व किरण बेदी थी।

अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति की संतोष बालोदिया ने बताया कि समाज की महिलाओं ने सोलह श्रृंगार से सज-धज कर 'लहरिया उत्सव' में भाग लिया तथा सावन के पारम्परिक गीतों के साथ नृत्य भी किया साथ ही अच्छी बारिश के साथ समाज और देश की उन्नति व खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में शारदा देवी, अरूण कुसुम्बीवाल, कन्हैयालाल, रामप्रकाश घोडेला, गोविन्द कुमावत साथ ही समाज की बुजुर्ग महिलाओं का भी स्वागत भी किया गया।

रश्मि बालोदिया ने कहा कि लहरिया राजस्थान की संस्कृति का हिस्सा है, जिसके पहनावे से महिलाएँ खुद को प्रकृति से जोड़कर देखती है। हरी भरी धरती का प्रतीक 'लहरिया उत्सव' हर्ष और खुशहाली का प्रतीत माना जाता है। अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति के तत्वावधान में आज बहुत ही सुन्दर आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में हीरालाल बबेरवाल, अशोक मारवाल, हेमन्त बालोदिया, ताराचंद मारवाल, अनिता छाबल्या, रेखा गैदर, अंजू, हेमलता व आशा नागा भी उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में संतोष बालोदिया ने सभी को धन्यवाद दिया।

## राज्यपाल को पेंटिंग भेंट

नेहा कुमावत पुत्री श्री रामलाल कुमावत, माहेश्वरी पी जी गर्ल्स कॉलेज प्रताप नगर सांगानेर, एम एच आर एम की छात्रा द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महामहिम श्रीमान कलराज मिश्र को 21 जुलाई को हस्तनिर्मित पोट्रेट भेंट किया गया। नेहा कुमावत के पिता श्री रामलाल कुमावत, वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत) एवं माता श्रीमती मीना देवी कुमावत गृहिणी है। आप मूलत: कुम्हारियावास की निवासी है हाल में आप कृषि नगर, टोल टैक्स, सांगानेर जयपुर में निवास कर रही है। 26 जुलाई को विद्यालय में प्लांटेशन ड्राइव के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अशोक लाहोटी विधायक को भी आपका बनाया एक स्केच भेंट किया गया। नेहा कुमावत ने कला के क्षेत्र में समाज का नाम बुलंद किया है। नेहा के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

- कुमावत इंडिया पत्रिका द्वारा माह जुलाई-2021 के अंक में विभिन्न विभागों की भर्तियों हेतु जानकारी दी है। मैं पत्रिका का नियमित पाठक हूँ। पत्रिका में बेरोजगारों युवाओं के लिए इस तरह की पहल बहुत अच्छा कदम है। निश्चित ही पत्रिका इस पहल से छात्र-छात्राओं को फायदा मिलेगा। मैं निवेदन करूंगा कि इस तरह की जानकारी प्रत्येक अंक में दी जाये।

  **-गणपत कुमावत,** ग्राम भादवा, जोबनेर, मो. 7791805800

- पत्रिका में प्रकाशित ''सावन के महीनें में भगवान शिव को जल क्यों चढ़ाया जाता है'' रेणुजी कुमावत द्वारा लिखित लेख शिक्षाप्रद और पौराणिक कथाओं से रू-ब-रू करवाता है। लेखिका ने पौराणिक कथाओं का उल्लेख कर लेख में ''गागर में सागर भर'' दिया है। लेखिका ने बहुत ही कम शब्दों में सरल व स्पष्ट भाषा में पौराणिक कथाओं की जानकारी दी है। आशा है कुमावत इंडिया पत्रिका पौराणिक कथाओं से ओतप्रोत, शिक्षाप्रद व ज्ञानवर्द्धक लेख निरन्तर प्रकाशित करती रहेगी। निश्चित रूप से इस प्रकार के लेखों से युवाओं को भी पौराणिक कथाओं की रोचक जानकारी मिलेगी।

  **-राकेश कुमावत,** एडवोकेट राजस्थान उच्च न्याायालय, जयपुर मो. 9829152561

- कुमावत इंडिया पत्रिका का कलेवर अब बदलता हुआ नजर आ रहा है। पत्रिका के जुलाई अंक में विभिन्न विभागों में भर्तियों जो कॉलम शुरू किया है, इससे छात्र व छात्राओं को भर्तियों के संबंध में जानकारी मिल पायेगी। क्या यह कॉलम इसी अंक में दिया गया, मैं समझता हूँ कि इस तरह की जानकारी का एक कॉलम निरन्तर प्रकाशित किया जाये तो समाज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को विभिन्न विभागों में भर्तियों की जानकारी मिल पायेगी और वो इससे लाभान्वित हो पायेंगे।

  **-रोहित कुमावत स्टेनोग्राफर,** कोटपुतली कोर्ट, जयपुर

**कृपया ध्यान दे**

**RPSC का परीक्षा कार्यक्रम घोषित**

1. RAS & RTS (Pre.) परीक्षा 2021 : दिनांक 27 व 28 अक्टूबर 2021
2. लेक्चरर (आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा) संवीक्षा परीक्षा 2021 : दिनांक 11 से 13 नवंबर 2021

## महासभा भवन उदयपुर

महासभा भवन के द्वितीय चरण की छत भराई का कार्य पूर्ण होने के बाद निर्माण कार्य रुक गया और इस कार्य को पूरा भी करना टीम महासभा के लिये एक चुनौती बन चुका था क्योकि नवम्बर 2021 के आगे की समाज बन्धुओ की मांगलिक कार्यो की बुकिंग है और समय रहते इस कार्य को पूरा करना बड़ी चुनोती है। महासभा भवन निर्माण में आ रही बजट की समस्याओं को लेकर हमारे पूर्व अध्यक्ष एव महामन्त्री द. प. जोन राजस्थान व नगर महासभा के संरक्षक श्री दयाशंकर जी रावड़िया ने अपनी कार्यशैली तथा कार्य दिशा बदलने का निर्णय लिया और दिशा बदली और नगर महासभा के मंत्री प्रशासनिक श्री वी एल मंडावरा को जिम्मेदारी दी। श्री मंडावरा ने महासभा के उदयपुर से बाहर निवासरत राष्ट्रीय महासभा के पदाधिकारियों एव प्रतिनिधियों से सम्पर्क कर उनसे आर्थिक सहयोग की अपील की। जिसके फलस्वरूप समाज के बहुत से भामाशाओ ने आर्थिक सहयोग देकर निर्माण कार्य को गति प्रदान करते हुए समाज विकास एव समाज सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया-

1. श्री माणक जी अड़ानिया समाज सेवी, उदयपुर रु. 50,000/-, 2.श्री सतीष जी खाटूवाल,जयपुर समाज सेवी एव मुख्य चुनाव अधिकारी भा.कु. क्ष. महासभा,जयपुर, 3.श्री राजेन्द्र जी समाज सेवी, दिल्ली, 4. श्री बाबू लाल जी बेडवाल समाज सेवी जयपुर रु. 5100/-, 5. श्री छोटूराम जी बड़ीवाल, महामन्त्री भा.कु.क्ष. महासभा,जयपुर रु. 5100/-, 6.श्रीमान चैनसुख जी बड़ीवाल समाज सेवी (सी. ए.) बगरू जिला जयपुर 5000/- , 7. श्री गिर्राज जी खनारिया, समाज सेवी राष्ट्रीय प्रतिनिधि भा.कु.क्ष. महासभा राजसमंद, 8. श्री दिनेश जी उदीवाल समाज सेवी, पूर्व अध्यक्ष कोटा, 9. श्री राम प्रकाश जी बैरा, रा.कु.क्ष. महासभा पदाधिकारी, जयपुर 5000/- रसीद स.2137/08-08-21, 10.श्रीमान पन्नालाल, भीमाराम प्रसिद्ध बिल्डर , समाज सेवी जयपुर रु. 5100/- , 11 श्री ओम टाँक, समाज सेवी,उदयपुर रु. 1100/-, 12 स्व.श्री सेवाराम जी भदानिया, सौजन्य से श्रीमती सुशीला जी टाँक, उदयपुर रु. 51,000/-, 12 स्व.श्रीमती गुणेशी बाई सौजन्य से श्रीमती सुशीला जी टाँक, उदयपुर रु. 51,000/-, 13.स्व.श्री मोहन जी भदानिया सौजन्य से श्रीमती सुशील देवी जी टाँक, उदयपुर रु. 31,000/-

**- युवराज सिंह नाहर, अध्यक्ष**

सुनील कुमावत को भारतीय जनता पार्टी राजस्थान सहकारिता प्रकोष्ठ में प्रदेश सहसंयोजक नियुक्त किया गया। सुनील कुमावत को प्रदेश सह संयोजक नियुक्त होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई व शुभकामनाएं।

# विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित

संकलनकर्ता मनीष कुमावत, सांगानेर

| क्र. सं. | विभाग का नाम | पद का नाम | पदों की संख्या | वेतनमान / लेवल | अधिकतम आयु | योग्यता | अंतिम तिथि | वेबसाईट का पता | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर | राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RPSC RAS/RTS) | 988 | लेवल –14 | 40 | स्नातक | 02 सितंबर 2021 | https://sso.rajasthan.gov.in/signin | केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य |
| 5 | कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार | तकनीकी सहायक | 2 | लेवल –5 | 30 | लइब्रेरी में स्नातक एवं 2 वर्ष का अनुभव | 22 सितम्बर 2021 | http://fmttibudni.gov.in/ | केवल हस्तलेखित ऑफलाइन आवेदन मान्य |
| 6 | सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान, चंडीगढ़, भारत सरकार | कनिष्ठ सचिवालय सहायक | 9 | लेवल –2 | 30 | 12वीं | 15 सितम्बर 2021 | www.imtech.res.in | केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य |
| 7 | सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान, चंडीगढ़, भारत सरकार | कनिष्ठ आशुलिपिक | 1 | लेवल –4 | 30 | 12वीं | 15 सितम्बर 2021 | www.imtech.res.in | केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य |
| 9 | दक्षिणी नौ सेना कमान, कोच्चि और अंडमान निकोबार कमान, पोर्ट ब्लेयनर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, पिन–682004 | कीट नियंत्रण श्रमिक | 12 | लेवल –1 | 28 | 10वीं | 05 सितंबर 2021 | www.indiannavy.nic.in | केवल हस्तलेखित ऑफलाइन आवेदन मान्य |
| 10 | दक्षिणी नौ सेना कमान, कोच्चि और अंडमान निकोबार कमान, पोर्ट ब्लेयनर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, पिन–682004 | सिविलियन मोटर ड्राइवर | 10 | लेवल –1 | 28 | 10वीं | 05 सितंबर 2021 | www.indiannavy.nic.in | केवल हस्तलेखित ऑफलाइन आवेदन मान्य |
| 11 | कमांडेट, दि इन्फेंटरी स्कूल, महू, रक्षा मंत्रालय मुख्यालय, मध्य प्रदेश, भारत सरकार–453441 | आशुलिपिक | 2 | लेवल –4 | 30 | 12वीं | 12 सितंबर 2021 | www.rojgarsamachar.gov.in | केवल हस्तलेखित ऑफलाइन आवेदन मान्य |
| 12 | कमांडेट, दि इन्फेंटरी स्कूल, महू, रक्षा मंत्रालय मुख्यालय, मध्य प्रदेश, भारत सरकार–453441 | अवर श्रेणी लिपिक | 6 | लेवल –2 | 30 | 12वीं | 12 सितंबर 2021 | www.rojgarsamachar.gov.in | केवल हस्तलेखित ऑफलाइन आवेदन मान्य |
| 13 | कमांडेट, दि इन्फेंटरी स्कूल, महू, रक्षा मंत्रालय मुख्यालय, मध्य प्रदेश, भारत सरकार–453441 | एमटीएस | 7 | लेवल –1 | 30 | 10वीं | 12 सितंबर 2021 | www.rojgarsamachar.gov.in | केवल हस्तलेखित ऑफलाइन आवेदन मान्य |
| 14 | कमांडेट, दि इन्फेंटरी स्कूल, महू, रक्षा मंत्रालय मुख्यालय, मध्य प्रदेश, भारत सरकार–453441 | लेखाकार | 2 | लेवल –4 | 30 | 12वीं | 12 सितंबर 2021 | www.rojgarsamachar.gov.in | केवल हस्तलेखित ऑफलाइन आवेदन मान्य |

## डॉ. सागरमल कुमावत

दांतारामगढ़ क्षेत्र पचार के डॉक्टर सागरमल कुमावत को पदोन्नत कर कृषि महाविद्यालय मंडावा (झुन्झुनू) में डीन के पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व डॉ. कुमावत स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में आचार्य शल्य विज्ञान के पद पर कार्यरत थे। मंडावा में वर्ष 2021 में कृषि महाविद्यालय खोला गया था। डॉ. कुमावत की नियुक्ति पर उनके पैतृक गाँव पचार में खुशी का माहौल है, लोग एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियाँ मना रहे हैं।

डॉ. कुमावत पढ़ाई में सदैव अव्वल रहे हैं, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से इन्हें उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति भी दी गई थी। स्नातकोतर शिक्षा में डॉ. कुमावत ने गोल्ड मेडल हासिल किया था वहीं तहसील स्तरीय कुमावत समाज द्वारा डॉक्टर सागर मल कुमावत को समाजरत्न से भी नवाजा जा चुका है। प्रारम्भिक शिक्षा डॉ. कुमावत ने अपने पैतृक गांव पचार से ही प्राप्त की व उच्च शिक्षा जोबनेर उदयपुर से प्राप्त की। डॉ. कुमावत किसान पृष्ठभूमि से संबंध रखने के कारण हमेशा से ही कृषि शिक्षा में रूचि रखते रहे हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. सागरमल कुमावत को पदोन्नती एवं डीन बनने पर बधाई और शुभकामना।

## सांवेर में राममंदिर का जीर्णोद्धार

अत्यंत हर्ष का विषय है कि क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज केशरीपुरा, सांवेर के तत्वाधान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के सैकड़ों वर्ष प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जिसमे समस्त समाजजन उत्साह से तन ,मन ,धन से सहयोग कर रहे है। समाज के प्रत्येक घर से बढ़चढ़ कर समर्पण राशि के रूप में प्रभु श्री रामचन्द्र जी के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की जा रही है। समर्पण राशि लेने जा रही टोली का केशरीपुरा ग्राम में घर घर भव्य स्वागत किया जा रहा है। जिससे समस्त नगरवासियों में मंदिर के कार्य के प्रति अत्यधिक ऊर्जा का संचार हो रहा है।

राम काज में भी नगर के वरिष्ठ व युवा समान रूप से अपनी भागीदारी निभा रहे है। श्री राम मंदिर क्षत्रिय कुमावत समाज केशरीपूरा सांवेर के अध्यक्ष श्री राजकुमार जी बोहरा ने बताया कि प्रस्तावित राम मंदिर की लागत लगभग 51 लाख रुपये है। सम्पूर्ण मंदिर मार्बल व लाल पत्थर से बनकर तैयार होगा। जो क्षेत्र व समाज के लिए वास्तुकला का एक अनुपम एवम नवीन उदाहरण होगा। उक्त मंदिर लगभग आगामी 5 माह में पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगा। प्रभु श्री राम जी के मंदिर के लिए केवल समाजजनों से ही सहयोग लिया जा रहा है।

**- नेमीचंद कारवार**

## जयसिंह कुमावत ( गुडीवाल ) वार्ड 141 से भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। माननीय कालीचरण सराफ विधायक मालवीय नगर विधानसभा के निर्देशानुसार जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) को वार्ड 141 से भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष मनोनीत किया है। पार्टी ने यह कमान कुमावत की कार्यकुशलता, सादगी और पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने पर सौंपी है। कुमावत ने पंच, सरपंच, उप सरपंच तथा नगर निगम चुनावों में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष दिन-रात मेहनत कर प्रत्याशियों की जीत में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा कोरोनाकाल की विषम परिस्थितियों में अपनी जान परवाह न करते हुए वार्ड में ही नहीं, अपितु पूरे जयपुर शहर में जो सेवायें दी है उसके लिए माननीय रामचरण जी बोहरा सांसद जयपुर शहर, माननीय कालीचरण जी सराफ विधायक मालवीय नगर विधानसभा, थानाधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह जी पुलिस थाना बजाज नगर, जयपुर, थानाधिकारी श्री बालाराम जी पुलिस थाना महेश नगर, जयपुर तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं तथा एनजीओ द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया था।

जयसिंह कुमावत वर्तमान में सामाजिक संस्था टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं तथा भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) उत्तरी पूर्वी जोन लाल कोठी क्षेत्र से जोन प्रतिनिधि के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इस अवसर पर रोहित अजमेरा पूर्व शहर मंत्री युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि जयसिंह कुमावत सामाजिक कार्यकर्त्ता, ऊर्जावान व भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ व जुझारू कार्यकर्ता हैं। कुमावत ने शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पार्टी ने जो दायित्व उन्हें दिया उसको वे अपनी पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा करेंगे।

## तुलसी देवी कुमावत, शिक्षा स्थाई समिति की अध्यक्ष बनी

पंचायत समिति सहाड़ा, भीलवाड़ा ने तुलसी देवी कुमावत को शिक्षा स्थाई समिति की अध्यक्ष तथा वित्त एवं कराधान स्थाई समिति की सदस्य बनाया है। तुलसी देवी कुमावत को इस चयन पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

# कलयुग ही नहीं द्वापर युग में भी जीवन रक्षा के लिए किया था लॉकडाउन

पौराणिक कथा के अनुसार कुरुक्षेत्र के युद्ध क्षेत्र को विशाल सेनाओं के आवागमन की सुविधा के लिए तैयार किया जा रहा था। उन्होंने हाथियों का इस्तेमाल पेड़ों को उखाड़ने और जमीन साफ करने के लिए किया। एक पेड़ पर एक गौरैया अपने चार बच्चों के साथ रहती थी। जब उस पेड़ को उखाड़ा जा रहा था तो उसका घोंसला जमीन पर गिर गया, लेकिन चमत्कारी रूप से उसकी संताने अनहोनी से बच गई। अभी बहुत छोटे होने के कारण उड़ने में असमर्थ थे।

कमजोर और भयभीत गौरैया मदद के लिए इधर-उधर देखती रही। तभी उसने कृष्ण को अर्जुन के साथ वहाँ आते देखा। वे युद्ध के मैदान की जाँच करने और युद्ध की शुरुआत से पहले जीतने की रणनीति तैयार करने के लिए वहाँ गए थे।

उसने कृष्ण के रथ तक पहुँचने के लिए अपने छोटे पंख फड़फड़ाए और किसी प्रकार श्री कृष्ण के पास पहुँची और कहा- 'हे कृष्ण, कृपया मेरे बच्चों को बचायें क्योंकि लड़ाई शुरू होने पर कल उन्हें कुचल दिया जायेगा।'

सर्वव्यापी भगवन बोले- 'मैं तुम्हारी बात सुन रहा हूँ, लेकिन मैं प्रकृति के कानून में हस्तक्षेप नहीं कर सकता।'

गौरैया ने कहा 'हे भगवन! मै जानती हूँ कि आप मेरे उद्धारकर्ता हैं, मैं अपने बच्चों के भाग्य को आपके हाथों में सौंपती हूँ। अब यह आपके ऊपर है कि आप उन्हें मारते हैं या उन्हें बचाते हैं।'

'कालचक्र पर किसी का बस नहीं है,' श्री कृष्ण ने एक साधारण व्यक्ति की तरह उससे बात की जिसका आशय था कि वहाँ ऐसा कुछ भी नहीं था जिसके बारे में वो कुछ भी कर सकते थे।

गौरैया ने विश्वास और श्रद्धा के साथ कहा-'हे प्रभु! आप कैसे और क्या करते हैं वो मैं नहीं जान सकती।' 'आप स्वयं काल के नियंता हैं, यह मुझे पता है। मैं सारी स्थिति, परिस्थिति एवं स्वयं को परिवार सहित आपको समर्पण करती हूँ।'

भगवन बोले 'अपने घोंसले में तीन सप्ताह के लिए भोजन का संग्रह करो।'

गौरैया और श्री कृष्ण के संवाद से अनभिज्ञ, अर्जुन गौरैया को दूर भगाने की कोशिश करते है। गौरैया ने अपने पंखों को कुछ देर के लिए फुलाया और फिर अपने घोंसले में वापस चली गई। दो दिन बाद, शंख के उद्घोष से युद्ध शुरू होने की घोषणा की गई।

कृष्ण ने अर्जुन से कहा कि अपने धनुष और बाण मुझे दो। अर्जुन चौंका क्योंकि कृष्ण ने युद्ध में कोई भी हथियार नहीं उठाने की शपथ ली थी। इसके अतिरिक्त अर्जुन का मानना था कि वह ही सबसे अच्छा धनुर्धर है।

'मुझे आज्ञा दें, भगवान', अर्जुन ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा, मेरे तीरों के लिए कुछ भी अभेद्य नहीं है। चुपचाप अर्जुन से धनुष लेकर कृष्ण ने एक हाथी को निशाना बनाया। लेकिन, हाथी को मारकर नीचे गिराने के बजाय, तीर हाथी के गले की घंटी में जा टकराया और एक चिंगारी सी उड़ गई। अर्जुन ये देख कर अपनी हँसी नहीं रोक पाये कि कृष्ण एक आसान-सा निशान चूक गए।

'क्या मैं प्रयास करूँ?' अर्जुन ने कहा।

उसकी प्रतिक्रिया को नजरअंदाज करते हुए, कृष्ण ने उन्हें धनुष वापस दिया और कहा कि कोई और कार्यवाही आवश्यक नहीं है।

लेकिन केशव तुमने हाथी को क्यों तीर मारा? अर्जुन ने पूछा।

'क्योंकि इस हाथी ने उस गौरैया के आश्रय उसके घोंसले को जो कि एक पेड़ पर था उसको गिरा दिया था।'

'कौन सी गौरैया?' अर्जुन ने पूछा। 'इसके अतिरिक्त, हाथी तो अभी स्वस्थ और जीवित है। केवल घंटी ही टूट कर गिरी है।'

अर्जुन के सवालों को खारिज करते हुए, कृष्ण ने शंख फूंकने का निर्देश दिया।

युद्ध शुरू हुआ, अगले अठारह दिनों में कई जानें गईं। अंत में पांडवों की जीत हुई। एक बार फिर कृष्ण अर्जुन को अपने साथ सुदूर क्षेत्र में भ्रमण करने के लिए ले गए। कई शव अभी भी वहाँ थे, जो उनके अंतिम संस्कार का इंतजार कर रहे थे। जंग का मैदान गंभीर अंगों और सिर, बेजान सीढ़ियों और हाथियों से अटा पड़ा था।

कृष्ण एक निश्चित स्थान पर रुके और एक घंटी जो कि हाथी पर बाँधी जाती थी उसे देखकर विचार करने लगे।

कृष्ण ने कहा- 'अर्जुन, क्या आप मेरे लिए यह घंटी उठाएंगे और इसे एक तरफरख देंगे?'

निर्देश बिल्कुल सरल था परन्तु अर्जुन के समझ में नहीं आया। आखिरकार, विशाल मैदान में जहाँ बहुत सी अन्य चीजों को साफकरने की जरूरत थी, कृष्ण उसे धातु के एक टुकड़े को रास्ते से हटाने के लिए क्यों कहा? उसने प्रश्नवाचक दृष्टि से उनकी ओर देखा।

'हाँ, यह घंटी,' कृष्ण ने दोहराया। 'यह वही घंटी है जो हाथी की गर्दन पर पड़ी थी जिस पर मैंने तीर मारा था।'

अर्जुन बिना किसी और सवाल के वह भारी-भरकम घंटी उठाने के लिए नीचे झुका। जैसे ही उन्होंने इसे उठाया, उसकी हमेशा के लिए जैसे दुनिया बदल गई।

एक, दो, तीन, चार और पाँच। चार युवा पक्षियों और उसके बाद एक गौरैया उस घंटी के नीचे से निकले। बाहर निकलकर माँ और छोटे पक्षी कृष्ण के इर्द-गिर्द मंडराने लगे एवं बड़े आनंद से उनकी परिक्रमा करने लगे। अठारह दिन पहले काटी गई एक घंटी ने पूरे परिवार की रक्षा की थी।

'मुझे क्षमा करें हे कृष्ण!' अर्जुन ने कहा, 'आपको मानव शरीर में देखकर ओर सामान्य मनुष्यों की तरह व्यवहार करते हुए, मैं भूल गया था कि आप वास्तव में कौन हैं।'

हम भी तब तक इस घंटी रूपी घर परिवार के साथ, संयम के साथ अन्न जल ग्रहण करते हुए, ईश्वर के चरणों में आस्था रखते हुए विश्राम करें जब तक ये हमारे लिए उठाई न जाये।

# राजस्थान के प्रसिद्ध लोक देवता रामदेवजी

राजस्थान के लोक देवताओं में रामेदवजी, गोगाजी, पाबुजी, हडबूजी, तेजाजी, मल्लीनाथजी आदि का नाम लिया जाता है। रामदेव जी के भक्त उन्हें प्यार से रामापीर और रामसा पीर भी कहते हैं। बाबा को श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है। वे हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक माने जाते हैं। भक्तों का उनके प्रति समर्पण इतना है कि आज भी पाकिस्तान से मुस्लिम भक्त भी उन्हें नमन करने भारत आते हैं। रामेदवजी का जन्म भाद्रपद शुक्ल दूज (बाबेरी बीज) सम्वत् 1461 को हुआ था।

रामदेवजी का अवतार उण्डू-काश्मीर (शिव तहसील बाडमेर) में तँवर वंशीय राजा अजमल जी और माता मैणादे के घर में हुआ (इस जन्मस्थली पर एक विशाल मंदिर का हाल ही में निर्माण हुआ है)। लोक मान्यताओं के अनुसार ये माता की कोख से नहीं जन्मे थे बल्की द्वारकाधीश के अवतारके रूप में पालने में अवतरित हुए थे। अजमल जी तब पोकरण के शासक थे। रामदेवजी ने बाल्यकाल से ही परचे (चमत्कार) दिखाना प्रारम्भ कर दिया था। पहला परचा गर्म दूध की हांडी को उतारकर माता को दिया था। अभी ये युवा भी नहीं हुए थे कि तब पोकरण के पास 12 कोस तक आतंक फैलाकर भूमि को मानवरहित करने वाले भैरव राक्षस का वध करके अपने अवतार को सार्थक किया। इसी निर्जन भू-भाग पर रूणिचा नगर की स्थापना की जो पोकरण से 11 कि.मी. दूर बीकानेर मार्ग पर स्थित है, इसे आज रामदेवरा के नाम से जाना जाता है।

रामदेवजी 33 वर्ष तक धरती पर रहे इस दौरान धर्म और नैतिकता के द्वारा प्रेम, सदाचार, मानवसेवा, अछूतोद्धार एवं धार्मिक भेदभाव नहीं रखने के उपदेश देकर लोगों को शिक्षित व जागरूक किया। रामदेवजी राजस्थान के पहले लोकदेवता है जो कवि भी थे। इनके उपदेश **24 वाणियों** में उपलब्ध है। **रामदेवजी पहले राजपूत शासक थे, जिन्होंने निम्न जातियों के बीच बैठकर अछूतोद्धार का कार्य किया। वहीं धार्मिक भेदभाव भी नहीं किया। इसी कारण हिन्दुओं की सभी जातियाँ तथा मुसलमान इन्हें समान रूप से मानते हैं** व समाधि पर नियमित रूप से आकर नमन करते हैं। डालीबाई मेघवाल इनकी परम भक्त थी।

रामदेवजी ने रामदेवरा में जन उपयोग के लिए एक तालाब 'रामसागर' बनवाया तथा इसके किनारे जीवित समाधि ली। यहाँ प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्लपक्ष की दूज से एकादशी तक मेला भरता है। जिसमें लाखों यात्री नाचते-गाते और ढोल नगाड़ो पर थाप देते हुए, बाबा की लंबी ध्वज पताकाएँ लिए बाबा का जयघोष करते आते हैं। इनके भक्त ''जातरू'' कहलाते हैं। जोधपुर, बाड़मेर, नागौर, बीकानेर के अलावा गुजरात, मध्यप्रदेश आदि स्थानों से लाखों पैदल यात्री व साईकिल यात्री रामदेव जी की नेजा (ध्वजा) जो सफेद या पचरंगी होती है, लेकर आते हैं। अनेक यात्री मन्नत पूरी होने पर दण्ड़वत करते आते हैं व जात-जडूले भी देते हैं।

रामदेवजी ने 'कामड पंथ' की स्थापना की जो रामदेवजी के भजन गाते हैं। समाधि स्थल पर मेघवाल जाति के भक्त रिखिया रामदेवजी का जम्मा गाते हैं। कामड़ जाति का **'तेरह ताली'** नृत्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बन चुका है। रात्री जागरणों में **''रामदेवजी का ब्यावला''** की आकर्षक प्रस्तुति होती है। रामदेवजी के भक्तों में हरजी भाटी का सर्वोच्च स्थान है जिन्हें रामदेवजी ने प्रकट होकर दर्शन दिये थे। वर्तमान में रामदेवजी के वंशज तथा गदाधिपति राव भोमसिंह तंवर हैं।

**-रमेश गैदर**

# श्री क्षत्रिय कुमावत समाज की नई कार्यकारिणी गठित

त्रिवेणी धाम में कुमावत धर्मशाला में श्री क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह विकास समिति की बैठक जगदीश प्रसाद मारोठिया खोरी वालों की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। समिति के सचिव जयप्रकाश ने बताया कि समिति का अध्यक्ष गिरधारी लाल मारवाल को बनाया गया साथ ही उपाध्यक्ष हीरालाल, कल्याण सहाय, अशोक कुमार, वृद्धि चंद्र को बनाया गया साथ ही महामंत्री जगदीश प्रसाद अजीतगढ़, सचिव जयप्रकाश, कोषाध्यक्ष अमरचंद, स्टोर कीपर कालूराम को बनाया गया। संरक्षक जगदीशप्रसाद मारोठिया, रामकिशोर, बंशीधर, गंगाराम, मनफूल, बनवारीलाल, कृष्णकुमार, भूदर मल, बुधराम, मुरारीलाल, रूप नारायण, भवानी शंकर, दिनेश कुमार, महावीर प्रसाद को बनाया गया। संगठन मंत्री अशोक कुमार, टेकचंद, रामेश्वर प्रसाद, कमलेश, भगवान सहाय, राकेश कुमार को, प्रचार मंत्री कैलाश, सुभाष, अशोक, व्यवस्थापक हरनाथ, मुरारीलाल, कैलाश, कालूराम, कैलाश कोलुकरीया, कालूराम बबेरवाल, मदनलाल को बनाया गया। महिला प्रकोष्ठ में चंदा खाटूवाल, प्रेम देवी, संतोष को बनाया गया।

# हिंदी कल, आज और कल

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा और उसकी संस्कृति से होती है और पूरे विश्व में हर देश की एक अपनी भाषा और अपनी एक संस्कृति है जिसकी छाँव में उस देश के लोग पले-बड़े होते है। यदि कोई देश अपनी मूल भाषा को छोड़कर दूसरे देश की भाषा पर आश्रित होता है तो उसे सांस्कृतिक रूप से गुलाम माना जाता है क्योंकि जिस भाषा को लोग अपने पैदा होने से लेकर जीवन भर बोलते है लेकिन अधिकारिक रूप से दूसरी भाषा पर निर्भर रहना पड़े तो कहीं ना कहीं उस देश के विकास में उस देश की अपनाई गई भाषा ही सबसे बड़ी बाधक बनती है क्योंकि जिस भाषा को इंसान अपने बचपन से बोलता है और उसी भाषा में अपने समस्त कार्य करने पड़े तो इंसान आगे बढने में ज्यादा परेशानी नही होगी लेकिन यदि हम जो बोलते है उसे छोड़कर कोई दूसरी भाषा में आपको कार्य करना पड़े तो कहीं न कहीं यही दूसरी भाषा हमारे विकास में बाधक जरूर बनती है। इसी कारण दुनिया की प्रमुख भाषाओं में से एक हिंदी, आज अपने ही देश में अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही है।

हिंदी भारत की मातृभाषा है और प्रत्येक भारतीय नागरिक को इस पर गर्व है। चूंकि भारत विविधताओं वाला देश है यहाँ 22 प्रकार की भाषाएँ और कई अनगिनत बोलियाँ बोली जाती है और सभी को बराबर सम्मान दिया जाता है जिनमें हिंदी सबसे ज्यादा प्रचलित है। हिन्दी भाषा सीखना बहुत आसान है क्योंकि इसमें शब्दों का उच्चारण ठीक वैसा होता है, जैसा कि हम लिखते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि 'हृदय की कोई भाषा नहीं है, हृदय-हृदय से बातचीत करता है और हिन्दी हृदय की भाषा है।'

जब भी देश और भाषा के बारे में चर्चा होती है तो सब एक ही बात कहते हैं, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा'। हिंदी भाषा और देश के प्रति सद्भावना रखने वाले लोगों के लिए हिंदी दिवस का दिन एक विशेष महत्व रखता है। हिंदी देश की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है इसीलिए हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हर साल 14 सितंबर को हम हिंदी दिवस मनाते हैं। हिंदी भारत के अलावा कई देशों में बोली जाती है। विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी का स्थान चौथा है।

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमत से यह निर्णय लिया कि हिंदी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इसी महत्वपूर्ण निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर सन् 1953 से संपूर्ण भारत में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा।

14 सितंबर एक ऐसी तारीख है, इस दिन हमेशा अंग्रेजी बोलने वाले ज्यादातर भारतीय भी हिंदी को याद कर लेते हैं। हिंदी, हिंदुस्तान की भाषा है। राष्ट्रभाषा किसी भी देश की पहचान और गौरव होती है। हिंदी, हिंदुस्तान को बांधती है। इसके प्रति अपना प्रेम और सम्मान प्रकट करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, साक्षर से निरक्षर तक प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिंदी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। यही इस भाषा की पहचान भी है कि इसे बोलने और समझने में किसी को कोई परेशानी नहीं होती।

लेकिन बदलते युग के साथ अंग्रेजी ने भारत की जमीं पर अपने पाँव जमा लिए हैं। इसी वजह से आज हमारी राष्ट्रभाषा को हमें एक दिन के नाम से मनाना पड़ रहा है। पहले जहाँ स्कूलों में अंग्रेजी का माध्यम ज्यादा नहीं होता था, आज उनकी माँग बढ़ने के कारण देश के बड़े-बड़े अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे हिंदी में पिछड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्हें ठीक से हिंदी लिखनी और बोलना भी नहीं आती है। भारत में रहकर हिंदी को महत्व न देना हमारी बहुत बड़ी भूल है।

हिंदी जानने और बोलने वाले को बाजार में अनपढ़ और गंवार के रूप में या तुच्छ नजरिए से देखा जाता है, यह कतई सही नहीं है। हमें स्वतंत्रता तो मिल गई, लेकिन स्वभाषा नहीं मिल पाई, जिसके बिना स्वतंत्रता अभी भी अधूरी है। देश के हर नागरिक की गरिमा बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि हर हिंदुस्तानी को अपनी भाषा का प्रयोग हर जगह, हर स्तर और हर समय करते रहना होगा। आज हर माता-पिता को चाहिए कि अपने बच्चों को विदेशी भाषा सिखाने पर जितना ज्यादा ध्यान दिया जाता है, उससे अधिक हिंदी की तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए।

हमारी व्यवस्था ने समाज में यह बात स्थापित कर दी कि 'अंग्रेजी' ही ज्ञानी होने एवं उच्च स्तर के पढ़े-लिखे होने का प्रमाण है। जबकि सच्चाई यह है कि अंग्रेजी केवल सामान्य भाषा है तथा इसको सीखना हिन्दी से भी सरल है, लेकिन समाज में अंग्रेजी के श्रेष्ठताबोध की धारणा आज भी बनी हुई है।

इसका परिणाम यह हुआ कि समाज ने अपने बच्चों के प्रवेश की दिशा हिन्दी माध्यमों के विद्यालयों की ओर से मोड़कर अंग्रेजी माध्यमों की ओर कर दी, जिसके चलते धीरे-धीरे हिन्दी माध्यम के

# फौज के वतन परस्ती जज्बे को बयां करते गीत की हुई लॉन्चिंग

**सिंगर रिश्म बालोदिया ने साझा किए अनुभव**

जयपुर शहर की जानी-मानी सिंगर रश्मि बालोदिया की सुरीली आवाज में पिरोए एक दुआ उनके लिए टाइटल से गीत और इसके पोस्टर की लॉन्चिंग जयपुर स्थित होटल में हुई। इस गीत में हन्दोस्तां की फौज के वतनपरस्ती के जज्बे को बयां किया गया है। इस मौके शहर के कई दिग्गज कलाकार और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे।

लायंस क्लब सेंट्रल स्पाइन की मेंबर व सिंगर रश्मि बालोदिया ने पत्रकारों को बताया कि इस गीत की रचयिता वे खुद ही हैं जिसे उन्होंने अपनी पुरकशिश आवाज में निखारा भी है। उन्होंने बताया कि सरहदों पर जो खड़े देश की खातिर लड़े उनका साहस उनकी अपनी शक्ति कितनी पावन देशभक्ति आओ करें उनको नमन...जैसे बोलों से सजा यह गीत वाकई में हमारी फौलादी फौज के वतनपरस्ती जज्बे को दर्शाएगा। इसका म्यूजिक अरैंज सौरभ भट्ट ने किया है। सिंगर रश्मि ने बताया कि इस गीत के लिए जयपुर के कुछ खास चुनिंदा जगहों को शूट किया है, जिसमें स्टैच्यू सर्किल, अमर जवान ज्योति, जवाहर सर्किल, सेंट्रलपार्क जैसे खूबसूरत लोकेशन्स दिखने को मिलेंगे। रशमी बालोदिया एम.ए. म्यूजिक से किया है। इनके पिता मोहन कुमार बालोदिया स्टेज परफॉर्मर हैं। घर में मिले संगीत संस्कार ने उनका संगीत में रुझान बढ़ा दिया। इन्हें शहर के श्रोताओं का बहुत प्यार मिला है। उनके पिता और उन्होंने बॉलीवुड म्यूजिक के हर दौर के गीत की मेलॉडी को स्टेज के जरिए शहर के म्यूजिक लवर्स तक पहुंचाया है। इस मौके पर मशहूर कलाकार मोहनकुमार बालोदिया, वरिष्ठ कलाकार गिरिराज बालोदिया, मशहूर सिंगर सीमा मिश्रा, म्यूजिक डायरेक्टर दीपक माथुर, लायंस क्लब जयपुर सेंट्रल स्पाइन के फाउंडर बसंत जलेवा, प्रेसीडेंट आशीष अग्रवाल, नामी कलाकार सुनील नाटाणी, एक्स प्रेसिडेंट विकास खटोड़, साउंड डिजाइनर अखिलेश बालोदिया समेत कई अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन अरुण किम्मतकर ने किया।

हमारे दामाद
जयसिंह जी गुडीवाल को
कुमावत इंडिया पत्रिका में
सह-सम्पादक
व
भाजपा द्वारा वार्ड 141 का
अध्यक्ष
मनोनीत किये जाने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

हरिशंकर माचीवाल
बी-50, अग्रसेन नगर, झोटवाड़ा
मो. 9413419466

प्रमोद कुमावत
सॉफ्टवेयर इंजीनियर
मो. 8560048189

# 12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं

100
**यशस्वी कुमावत**
जयपुर

100
**रेनूका कुमावत**
किशनगढ़, अजमेर

99.20
**प्रियंका कुमावत**
जयपुर

98.20
**पलक कुमावत**
दूदू, जयपुर

97.20
**खुशी कुमावत**
जयपुर

96.80
**वन्दना कुमावत**
जोबनेर

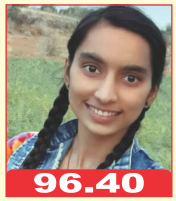
96.40
**पूजा**
कोलायत, बीकानेर

96.20
**आईना कुमावत**
निवाई, टोंक

95.60
**रितेश वर्मा**
जयपुर

95.40
**जयश्री कुमावत**
जयपुर

95.20
**मोहनीश कुमावत**
जयपुर

95.20
**खुशी कुमावत**
नवलगढ़ रोड़, सीकर

94.80
**लक्षिता कुमावत**
चौमू, जयपुर

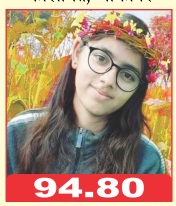
94.80
**सन्जू खोरानिया**
जयपुर

93.60
**खुशी कुमावत**
जयपुर

93.60
**आरती कुमावत**
अजमेर

93.40
**प्रियांशी कुमावत**
त्रिवेणी नगर, जयपुर

93.20
**मनीषा कुमावत**
सीकर

93.20
**हर्ष कुमावत**
जयपुर

91.40
**रामस्वरूप**
बीकानेर

91.20
**शीतल कुमावत**
फुलेरा, जयपुर

90.60
**संजू कुमावत**
शिकारपुरा रोड़, जयपुर

90.40
**नीरू कुमावत**
जयपुर

90.00
**रिमझिम कुमावत**
जयपुर

89.80
**सीताराम**
जोधपुर

89.40
**शक्सी कुमावत**
सिरोही

88.40
**पायल कुमावत**
जयपुर

88.00
**शैली मालिया**
झोटवाड़ा, जयपुर

88.00
**निखिल कुमावत**
किशनगढ़, अजमेर

88.00
**तन्वी कुमावत**
जयपुर

87.60
**नीलम कुमावत**
दूदू, जयपुर

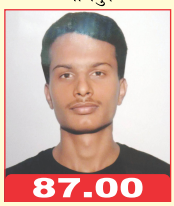
87.00
**हितेश कुमावत**
बाड़मेर

87.00
**साक्षी कुमावत**
दूदू, जयपुर

86.80
**मूमल कुमावत**
नींदड़, जयपुर

86.80
**प्रीतम कुमावत**
जयपुर

86.80
**चर्चित कुमावत**
जयपुर

86.00
**पूजा**
सोजत, पाली

86.00
**लता कुमावत**
चतोड़गढ़

86.00
**लवेश कुमावत**
सोजत, पाली

86.00
**वर्षा कुमावत**
जयपुर


85.80
**सुनीता कुमावत**
मुण्डोता


85.80
**सीमा कुमावत**
रामपुरा रोड़, सांगानेर, जयपुर


85.00
**अशोक कुमार**
बाड़मेर


85.00
**चान्क्या कुमावत**
जयपुर


85.00
**अनुशा कुमावत**
जयपुर


84.60
**हेमराज कुमावत**
फुलेरा, जयपुर


84.60
**सौरभ कुमावत**
फुलेरा, जयपुर


84.20
**मुरारी कुमावत**
जयपुर


84.00
**जय कुमावत**
जयपुर

# 10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं

100

**निकिता कुमावत**

हैदराबाद, तेलंगाना

100

**मनन कुमावत**

नागौर

99.00

**पूर्वा कुमावत**

इमली फाटक, जयपुर

99.00

**मोहित कुमावत**

मालपुरा, टोंक

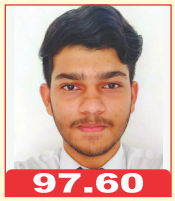

97.60

**आकाश कुमावत**

उदयपुर

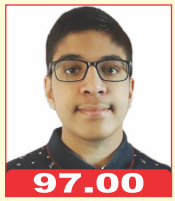

97.00

**पवित्र राम कुमावत**

बैंगलौर (कर्नाटक)

96.00

**सोनू पटेल**

जोधपुर

95.00

**यशोदा कुमावत**

दूदू, जयपुर

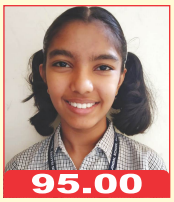

95.00

**भव्या कुमावत**

चौमू, जयपुर

94.00

**खुशी कुमावत**

पाली

94.00

**पायल कुमावत**

कालवाड़, जयपुर

93.83

**सीमा कुमावत**

झोटवाड़ा, जयपुर

93.50

**तमन्ना कुमावत**

झोटवाड़ा, जयपुर

93.00

**हरीश कुमावत**

बाड़मेर

93.00

**प्रियांशी कुमावत**

जयपुर

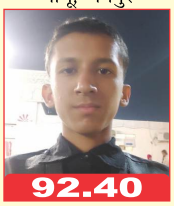

92.40

**हार्दिक कुमावत**

जयपुर

92.00

**गुंजन कुमावत**

रींगस, जयपुर

92.00

**जयदयाल कुमावत**

बीकानेर

91.00

**नन्दनी कुमावत**

जयपुर

90.67

**आरती**

चितोड़गढ़

90.00

**धनश्री कुमावत**

जयपुर

90.00

**पंकज कुमावत**

लक्ष्मणगढ़, सीकर

89.67

**एकता कुमावत**

जयपुर

89.40

**पूजा कुमावत**

पुणे, महाराष्ट्र

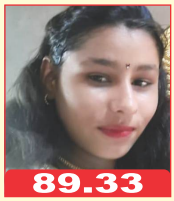

89.33

**प्रियंका कुमावत**

रूपगढ़

89.00

**मेघा कुमावत**

उदयपुर

88.00

**तुषार कुमावत**

कुचामन सीटी, नागौर

88.00

**परी कुमावत**

जयपुर

87.83

**भूमिका**

शास्त्री नगर, जयपुर

87.00

**तनिष्का मालिया**

झोटवाड़ा, जयपुर

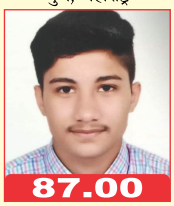

87.00

**दीवांश कुमावत**

जयपुर

87.00

**रितु कुमावत**

जयपुर

86.67

**त्रिभुवन कुमावत**

फुलेरा, जयपुर

86.33

**हर्षिता कुमावत**

फुलेरा, जयपुर86.33

86.00

**प्रिंस कुमावत**

नींदड़, जयपुर

86.00

**भावेश कुमावत**

सोजत, पाली

85.00

**दिविशा कुमावत**

लालकोठी, जयपुर

85.00

**सागर कुमावत**

नींदड़, जयपुर

85.00

**इन्द्रा कुमावत**

बीकानेर

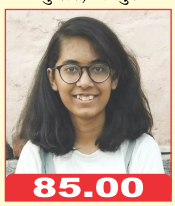

85.00

**चैताली पी वर्मा**

सीकर रौड़, जयपुर



85.00

**अंजू कुमावत**

नौखा, बीकानेर



84.83

**नारायण कुमावत**

भगवान्दा कला, राजसमंद



84.60

**हेमराज कुमावत**

फुलेरा, जयपुर



84.50

**गंगा कुमारी**

जोधपुर



83.83

**अभीषेक कुमावत**

चितोड़गढ़



83.83

**कनक**

जयपुर



83.67

**आदित्य कुमावत**

श्रीनगर, अजमेर



83.50

**अनिल कुमावत**

कालवाड़, जयपुर



82.30

**अंशुल बालोदिया**

जयपुर

## सत्य प्रकाश वर्मा RHB में कर्मचारी अध्यक्ष बने

राजस्थान आवासन मंडल, मुख्यालय में कर्मचारी संघ के चुनावों में अध्यक्ष पद पर सत्य प्रकाश वर्मा का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। सत्य प्रकाश वर्मा को RHB के आयुक्त श्री पवन अरोड़ा ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह रमाना सहित भारी संख्या में कर्मचारी नेता व कर्मचारी साथी उपस्थित रहे। आप स्वर्गीय श्री नाथू लाल जी टींकीवाले(मारवाल) पुरानी बस्ती, जयपुर के पुत्र है।

श्री सत्यप्रकाश वर्मा को कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से आप को बधाई।

## कुमावत इंडिया पत्रिका के जयसिंह गुडीवाल सह-सम्पादक मनोनीत

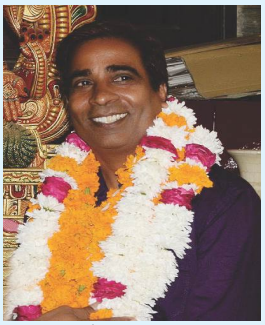

'कुमावत इंडिया पत्रिका' ने जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) को सह-सम्पादक मनोनीत किया गया है। आप वर्तमान में टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं तथा भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) उत्तरी पूर्वी जोन लाल कोठी क्षेत्र से जोन प्रतिनिधि के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। हाल ही में आपको भारतीय जनता पार्टी द्वारा वार्ड 141 में अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आपकी उत्कृष्ट लेखनशैली, कार्यशैली, लगन व कार्य के प्रति जज्बे से प्रभावित होकर आपको ट्रस्ट द्वारा सह-सम्पादक मनोनीत किया है। आप श्री विशाल कम्प्यूटर्स के संचालक है। जहाँ आप छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर व स्टेनो की शिक्षा देते हैं। आपने हजारों छात्र-छात्राओं को शिक्षा देकर सरकारी सेवा में पदस्थापित करवाकर समाज का रोशन किया है। आपकी अब तक 50 से भी ज्यादा रचनाओं का प्रकाशन विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्रों में हो चुका हैं। आपके द्वारा लिखित लेख 'टूटती सांसों के बीच, जिंदगी की आस...', 'जिम्मेदार कौन ?' बेजुबान परिन्दों पर मेहर रखें, पतंग कटे, जिंदगी नहीं', 'अंधविश्वास कैसे-कैसे' तथा आलेख 'टीम चेतन धुंधारिया की कहानी, जयसिंह गुडीवाल की जुबानी' काफी चर्चित रहे है।

सह-सम्पादक मनोनीत होने पर कुमावत इंडिया परिवार द्वारा माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। 'कुमावत इंडिया परिवार' आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।


जयसिंह गुडीवाल को
कुमावत इंडिया पत्रिका में
सह-सम्पादक
व
भाजपा द्वारा वार्ड 141 का
अध्यक्ष

मनोनीत किये जाने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

खेमचन्द खड़गटा
व्यवस्थापक मंडल सदस्य, कुमावत इंडिया पत्रिका
सदस्य, टीम चेतन धुंधारिया
मो. 9829140629

मेरे गुरू जयसिंह जी गुडीवाल को
कुमावत इंडिया पत्रिका में
सह-सम्पादक
व
भाजपा द्वारा वार्ड 141 का
अध्यक्ष

मनोनीत किये जाने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

राकेश चंद मीणा
कार्यालय अधीक्षक पमरे, जबलपुर
(झालाटाला, अलवर वाले)
मो. 7389641024

विद्यालयों की संख्या घटती चली गई तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि होती चली गई, जो कि अब भी जारी है। सरकार के द्वारा संचालित केन्द्रीय विद्यालय एवं इसके समानान्तर अन्य विद्यालय, उच्च शिक्षा संस्थाओं, तकनीकी एवं चिकित्सा संस्थानों की सम्पूर्ण पढ़ाई अंग्रेजी में कराया जाना, शासकीय कार्यालयों, संसदीय, विधानसभाओं में अंग्रेजी के प्रयोग तथा बहसें यह दर्शाती हैं कि सरकार ने अंग्रेजी के बीजारोपण का संकल्प ही लिया है, जो कि समाज के अन्दर इस मानसिकता को कूट-कूट कर भरने में सफल रही कि अंग्रेजी ही सब-कुछ है।

शासन एवं प्रशासन तंत्र को हिन्दी के विकास के लिए अपने स्तर से हिन्दी के प्रयोग, शिक्षा एवं संचार में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देकर किया जाना चाहिए। जहाँ तक अंग्रेजी एवं उर्दू के बढ़ते प्रयोग की बात है तो, मेरा मानना है कि इस पर जैसे-जैसे लोग हिन्दी के प्रयोग की दिशा में कदम बढ़ाते जाएंगे वैसे-वैसे ही शुद्ध हिन्दी सीखने एवं प्रयोग करने की ओर भी अग्रसर होंगे। हमें सामाजिक तौर पर अपने घरों में अंग्रेजी के श्रेष्ठताबोध के आडंबर को दूर करते हुए अपने घर-परिवार से ही इस बात की शुरुआत करनी होगी कि हम हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें।

कुल मिलाकर हिन्दी के वैभव को विराट आकार देने में हम सभी को अपनी आज तक की त्रुटियों को सुधारते हुए अपने-अपने स्तर से यह प्रयास करना होगा कि हम हिन्दी का प्रयोग अधिक से अधिक करें तथा अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम हिन्दी को ही बनाएं, क्योंकि विश्व का इतिहास उलट-पलट कर देख लीजिए प्रगति एवं उन्नति की पताका उसने ही फहराई है, जिसने अपनी भाषा को महत्ता प्रदान करते हुए सम्पूर्ण ज्ञान अपनी भाषा में अर्जित किया है।

**-रेणु कुमावत, वरिष्ठ अध्यापिका**
निर्माण नगर, जयपुर मो. 8209687840

# आखिर शिक्षा क्यों जरूरी है?

जीवन में सफलता पाने, सम्मान और मान्यता प्राप्त करने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण कारक है जो एक व्यक्ति के साथ-साथ एक देश के विकास में भी महान भूमिका निभाती है क्योंकि यह मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। यह स्थिति को सुनिश्चित करने और स्थिति को संभालने के लिए सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं में सोचने की क्षमता प्रदान करती है। यह हमारे ज्ञान को बढ़ाने और दुनिया भर में स्पष्ट दृष्टिकोण रखने के लिए कौशल का विस्तार करने का सबसे आसान तरीका है। यह हमारे जीवन के तरीके को बढ़ाने के लिए हमारे भीतर रुचि पैदा करता है और इस प्रकार देश की वृद्धि और विकास होता है। आज हम यूट्यूब के शिक्षा चैनल्स से, टीवी देखकर, किताबें पढ़कर, चर्चा और अन्य विभिन्न माध्यमों से सीख सकते हैं। उचित शिक्षा हमारे कैरियर के लक्ष्यों की पहचान करती है और हमें अधिक सभ्य तरीके से जीना सिखाती है। जीवन में सब कुछ लोगों के ज्ञान और कौशल पर आधारित है जो अंतत: शिक्षा से आता है।

व्यक्ति, समाज, समुदाय और देश का उज्ज्वल भविष्य शिक्षा प्रणाली के अनुसरण पर निर्भर करता है। जीवन में अधिक तकनीकी उन्नति की मांग बढ़ने से गुणवत्ता शिक्षा का दायरा बढ़ता है। यह वैज्ञानिक कार्यों, उपकरणों, मशीनों और आधुनिक जीवन के लिए आवश्यक अन्य तकनीकों के आविष्कार में वैज्ञानिकों की सहायता करता है।

लोग अपने जीवन में शिक्षा के क्षेत्र और महत्व के बारे में अत्यधिक जागरूक हो रहे हैं और इस प्रकार लाभ पाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, देश के पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले लोग अभी भी जीवन की कुछ बुनियादी आवश्यकता की कमी के कारण उचित शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं। वे अभी भी अपने दैनिक दिनचर्या की जरूरत के साथ लड़ रहे हैं। कुछ लोग पूरी तरह से अशिक्षित हैं, ज्ञान और कौशल की कमी के कारण बहुत दर्दनाक जीवन जी रहे हैं। कुछ लोग पढ़े-लिखे हैं, लेकिन उनके पास इतना कौशल नहीं है कि वे अपनी दिनचर्या के लिए पैसे कमा सकें, क्योंकि पिछड़े इलाकों में शिक्षा की समुचित व्यवस्था नहीं है। हमें पूरे देश में बेहतर विकास के लिए हर क्षेत्र में समान रूप से शिक्षा जागरूकता लाने की जरूरत है।

सभी के लिए शिक्षा की आवश्यकता के प्रति समाज में एक बड़ी जागरूकता के बाद भी, देश के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा का प्रतिशत अभी भी समान नहीं है। शिक्षा से मानसिक स्थिति में सुधार होता है और व्यक्ति के सोचने का तरीका बदल जाता है। शिक्षा के बिना जीवन लक्ष्यहीन और कठिन हो जाता है। इसलिए हमें अपने दैनिक जीवन में शिक्षा के महत्व और उसकी भागीदारी को समझना चाहिए। हमें पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा के लाभों को बताकर शिक्षा को प्रोत्साहित करना चाहिए। इस प्रकार हमें सभी के लिए अच्छी शिक्षा प्रणाली के समान अवसर प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए, चाहे वे अमीर या गरीब क्षेत्रों में रहें। एक देश अपने नागरिकों की व्यक्तिगत वृद्धि और विकास के बिना विकसित नहीं हो सकता है। इस प्रकार किसी भी देश का विकास उसके नागरिकों के लिए उपलब्ध शिक्षा मानक पर निर्भर करता है।

**मुकेश कुमावत बोराज, जयपुर, मो. 8385000205**

# कृष्ण, कृष्ण और कृष्ण: श्रीकृष्ण जीवन के अनजाने और रहस्यमयी तथ्य

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सुधि पाठकों को रक्षाबन्धन व जन्माष्टमी की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। हिन्दू धर्म में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इस दिन लोग व्रत रखकर बड़े उल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं। श्रीमद्भागवत दशम स्कंध में श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग में उल्लेख मिलता है। इसमें कहा गया है कि जिस समय पृथ्वी पर अर्धरात्रि में कृष्ण अवतरित हुए ब्रज में उस समय पर घनघोर बादल छाए थे, लेकिन चंद्रदेव ने दिव्य दृष्टि से अपने वंशज को जन्म लेते दर्शन किए। आज भी श्रीकृष्ण जन्म के समय अर्धरात्रि में चंद्रमा उदय होता है। उस समय धर्मग्रंथ में अर्धरात्रि का उल्लेख मिलता है। भगवान कृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को हुआ था। इसलिए इस दिन को कृष्ण जन्माष्टमी कहते हैं। श्रीकृष्ण जीवन के अनजाने और रहस्यमयी तथ्य-

1. भगवान् श्रीकृष्ण के खड्ग का नाम नंदक, गदा का नाम कौमौदकी और शंख का नाम पांचजन्य था जो गुलाबी रंग का था।
2. भगवान श्रीकृष्ण से जेल में बदली गई यशोदा पुत्री का नाम एकानंशा था, जो आज विंध्यवासिनी देवी के नाम से पूजी जातीं हैं।
3. भगवान् श्री कृष्ण के धनुष का नाम शारंग व मुख्य आयुध चक्र का नाम सुदर्शन था। वह लौकिक, दिव्यास्त्र व देवास्त्र तीनों रूपों में कार्य कर सकता था उसकी बराबरी के विध्वंसक केवल दो अस्त्र और थे पाशुपतास्त्र (शिव, कृष्ण और अर्जुन के पास थे) और प्रस्वपास्त्र (शिव, वसुगण, भीष्म और कृष्ण के पास थे)।
4. भगवान् श्रीकृष्ण की परदादी 'मारिषा' व सौतेली माँ रोहिणी (बलराम की मां) 'नाग' जनजाति की थीं।
5. भगवान् श्री कृष्ण के परमधाम गमन के समय ना तो उनका एक भी केश श्वेत था और ना ही उनके शरीर पर कोई झुर्री थी।
6. भगवान् श्रीकृष्ण की प्रेमिका राधा का वर्णन महाभारत, हरिवंशपुराण, विष्णुपुराण व भागवतपुराण में नहीं है। उनका उल्लेख ब्रह्मवैवर्त पुराण, गीत गोविंद व प्रचलित जनश्रुतियों में रहा है।
7. जैन परंपरा के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण के चचेरे भाई तीर्थंकर नेमिनाथ थे जो हिंदू परंपरा में घोर अंगिरस के नाम से प्रसिद्ध हैं।
8. भगवान् श्रीकृष्ण अंतिम वर्षों को छोड़कर कभी भी द्वारिका में 6 महीने से अधिक नहीं रहे।
9. भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी औपचारिक शिक्षा उज्जैन के संदीपनी आश्रम में मात्र कुछ महीनों में पूरी कर ली थी।
10. ऐसा माना जाता है कि घोर अंगिरस अर्थात नेमिनाथ के यहाँ रहकर भी उन्होंने साधना की थी।
11. प्रचलित अनुश्रुतियों के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने मार्शल आर्ट का विकास ब्रज क्षेत्र के वनों में किया था। डांडिया रास का आरंभ भी उन्होंने ही किया था।
12. कलारीपट्टु का प्रथम आचार्य कृष्ण को माना जाता है। इसी कारण नारायणी सेना भारत की सबसे भयंकर प्रहारक सेना बन गई थी।
13. भगवान श्रीकृष्ण के रथ का नाम जैत्र था और उनके सारथी का नाम दारुक/बाहुक था। उनके घोड़ों के नाम शैव्य, सुग्रीव, मेघपुष्प और बलाहक थे।
14. भगवान श्रीकृष्ण की त्वचा का रंग मेघश्यामल था और उनके शरीर से एक मादक गंध निकलती थी। इस गंध को वे अपने गुप्त अभियानों में छुपाने का उपक्रम करते थे। माना जाता है कि श्रीकृष्ण के शरीर से निकलने वाली गंधी गोपिकाचंदन और कुछ-कुछ रातरानी की सुगन्ध से मिलती जुलती थी।
15. भगवान श्रीकृष्ण की मांसपेशियाँ मृदु परंतु युद्ध के समय विस्तृत हो जातीं थीं, इसलिए सामान्यत: लड़कियों के समान दिखने वाला उनका लावण्यमय शरीर युद्ध के समय अत्यंत कठोर दिखाई देने लगता था ठीक ऐसे ही लक्ष्ण कर्ण व द्रौपदी के शरीर में देखने को मिलते थे।
16. भगवान् श्रीकृष्ण ने दो नगरों की स्थापना की थी द्वारिका (पूर्व में कुशावती) और पांडव पुत्रों के द्वारा इंद्रप्रस्थ (पूर्व में खांडवप्रस्थ)।
17. यहाँ कर्ण व अर्जुन दोंनों असफल हो गए और तब श्रीकृष्ण ने लक्ष्यभेद कर लक्ष्मणा की इच्छा पूरी की, जो पहले से ही उन्हें अपना पति मान चुकी थीं।
18. भगवान् श्रीकृष्ण ने कई अभियान और युद्धों का संचालन किया था, परंतु इनमे तीन सर्वाधिक भयंकर थे। महाभारत, जरासंध और कालयवन के विरुद्ध, नरकासुर के विरुद्ध।
19. भगवान् श्रीकृष्ण ने केवल 16 वर्ष की आयु में विश्व प्रसिद्ध चाणूर और मुष्टिक जैसे मल्लों का वध किया। मथुरा में दुष्ट रजक के सिर को हथेली के प्रहार से काट दिया था।

20. भगवान् श्रीकृष्ण ने असम में बाणासुर से युद्ध के समय भगवान शिव से युद्ध के समय माहेश्वर ज्वर के विरुद्ध वैष्णव ज्वर का प्रयोग कर विश्व का प्रथम जीवाणु युद्ध किया था।
21. भगवान् श्रीकृष्ण के जीवन का सबसे भयानक द्वंद्व युद्ध सुभद्रा की प्रतिज्ञा के कारण अर्जुन के साथ हुआ था, जिसमें दोनों ने अपने अपने सबसे विनाशक शस्त्र क्रमशः सुदर्शन चक्र और पाशुपतास्त्र निकाल लिए थे। आखिर में देवताओं के हस्तक्षेप से दोनों शांत हुए।
22. जनसामान्य में यह भ्रांति स्थापित है कि अर्जुन सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे, परंतु वास्तव में श्रीकृष्ण इस विद्या में भी सर्वश्रेष्ठ थे और ऐसा सिद्ध हुआ मद्र राजकुमारी लक्ष्मणा के स्वयंवर में जिसकी प्रतियोगिता द्रौपदी स्वयंवर के ही समान परंतु कठिन थी।
23. भगवान् श्रीकृष्ण ने कलारिपट्टु की नींव रखी जो बाद में बोधिधर्मन से होते हुए आधुनिक मार्शल आर्ट में विकसित हुई।

भगवान् श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवतगीता के रूप में आध्यात्मिकता की वैज्ञानिक व्याख्या दी, जो मानवता के लिए आशा का सबसे बड़ा संदेश थी, है और सदैव रहेगी। आप सुधि पाठक आनन्दित हों। जन्माष्टमी पर्व का कोविड-19 के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए आनन्द लें। भगवान श्रीकृष्ण कोरोना की कालिमा को हर लें। यही हमारी कामना है।

**जयसिंह गुडीवाल, सह सम्पादक, मो. 9461-343432**

## शिक्षक दिवस पर विशेष

अनंतकाल से ही गुरु की महिमा को जाना गया है। गुरु (अर्थात् गु-अंधकार, रु-उसका निरोधक) हमारे जीवन में व्याप्त अंधकार को दूर कर प्रकाश प्रवाहित करते हैं।

गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरुदेवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात पर ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः।।

गुरु, शिष्य को एक नया जन्म देता है इसलिए ब्रह्मा, गुरु शिष्य की रक्षा करता है इसलिए विष्णु और वह शिष्य के अवगुणों का संहार करता है इसलिए महेश भी कहा जाता है। यह थी गुरु की महिमा। किंतु प्रत्येक वर्ष 5 सितम्बर को पूरे भारत वर्ष में शिक्षक दिवस मनाया जाता है यह भी हमारे देश के एक प्रख्यात गुरु, शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर सभी गुरुओं के सम्मान में मनाया जाता है। देश के पहले उप-राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में हुआ था, बचपन से किताबें पढ़ने के शौकीन और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। इन्होंने अपने लेखों व भाषणों के माध्यम से सारे विश्व को भारतीय दर्शन शास्त्र से परिचित कराया। शिक्षक दिवस पूरे विश्व में अलग-अलग तारीखों पर मनाया जाता है।

हमारे धर्म शास्त्रों में गुरु की भक्ति का अत्यंत महत्व है, गुरु द्रौण द्वारा अपनी शिक्षा दक्षिणा के रूप में एकलव्य द्वारा अंगूठा दान कर देना गुरु के प्रति शिष्य का बलिदान है। महान गुरु भक्त आरुणी ने गुरु की आज्ञा पालन के लिए पूरे गाँव को बाढ़ से बचाने हेतु नाले पर लेट जाना गुरु भक्ति का एक अनूठा उदाहरण है। यहां तक कि अंग्रेजी शासन काल में गुरु भक्त काली बाई ने अपने गुरु को अंग्रेजों के अत्याचार से बचाने के लिए जान की बाजी लगा दी थी।

गुरु शिष्य का ये समर्पण एक तरफा नहीं होता बल्कि कहा गया है कि

**सद्गुरु ऐसा चाहिए जैसे लोटा डोर**
**गला बंधावे आपणा लावे नीर झकोर।**

अर्थात् गुरु ऐसा हो जो कुए में डाले जाने वाले लौटे के समान अपने गले में रस्सी डालकर पानी को साफ कर कुए से साफ सुथरा पानी अपने अंदर भरकर ऊपर लाता है। यानि एक शिक्षक को भी अपनी मर्यादा में रहकर अपने शिक्षा के धर्म का संपूर्ण पालन करते हुए स्वयं कष्ट सहकर अपने शिष्यों की सारी बुराई या अवगुणों को दूरकर उसे देश का एक मजबूत व जिम्मेदार नागरिक बनाकर खड़ा करना चाहिए। उसे भी ये समझना चाहिए कि शिक्षा एक नोबल व्यवसाय है जिसमें एक कच्चे घड़े रूपी शिष्य को सही आकार में ढालना उसी की जिम्मेदारी है। वर्तमान समय में गुरु और शिष्य के बीच में जो वातावरण है अथवा समय की मांग है उसके अनुसार एक शिक्षक को ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। एकल पारिवारिक परिस्थितियाँ, आर्थिक दबाव, टूटते परिवारों का संघर्ष, बढ़ती आत्महत्याओं जैसी अवसादपूर्ण परिस्थितियों में शिक्षकों का दायित्व अत्यधिक बढ़ जाता है कि अपने संपर्क में आए विद्यार्थियों को मानसिक रूप से हर परिस्थिति से जुझने के लिए तैयार करें, उसे गलत राह पर भटकने से बचाएं तथा उसे मानवीय मूल्यों के साथ जीना सिखाएं। यदि हर शिक्षक अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाता है तो वह दिन दूर नहीं जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा भारत के दर्शन शास्त्र से पूरे विश्व को परिचित कराया गया था तो संपूर्ण विश्व उस भारत के दिये गये ज्ञान का लोहा मानने लगेगा और शिक्षकों की मान-मर्यादा में चार चांद लग जाएंगे। **-भारती तोंदवाल**

# 32वें टोक्यो ओलम्पिक - एक नजर में

हाल ही में सम्पन्न टोक्यो ओलम्पिक (23 जुलाई- 8 अगस्त, 2021) पर कोरोना का साया छाया रहा पर ये खेल सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गये। इस ओलम्पिक में भारत का 127 सदस्यीय दल भेजा गया। जाने से पूर्व खिलाड़ियों से प्रधानमंत्री मोदी का संवाद होना टीम में जोश भ्रने के लिए सराहनीय कदम था। पदक जीतने पर प्रधानमंत्री द्वारा खिलाड़ियों से फोन पर बातकर बधाई देना सभी को अच्छा लगा। यद्यपि टोक्यो ओलम्पिक में 1 गोल्ड, 2 रजत व 4 कांस्य पदक जीत कर अब तक की बड़ी उपलब्धि मिली, पर 135 करोड़ लोगों के देश में यह काफी नहीं है।

मीराबाई चानू (महिला भारात्तौलक 49 किलो वर्ग) और रवि कुमार दहिया (फ्री स्टाइल कुश्ती 57 किलो वर्ग) का रजत पदक जीतना, पुरुष हॉकी में 41 वर्षों बाद कांस्य पदक जीतना एवं महिला हॉकी का सेमीफाइनल में प्रवेश उत्साहजनक रहा। एथलीट कमलप्रीत कौर (गोला फेंक), भवानी देवी (तलवार बाजी), मनिका बत्रा (टेबिल टेनिस) यद्यपि पदक नहीं जीत सकी पर इनका प्रदर्शन दमदार रहा। नीरज चौपड़ा ने 87.58 मीटर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक से भार को नवाजा तो हमारा राष्ट्रगान टोक्यो की धरती पर बजा जिससे भारतीयों का सीना चौड़ा हुआ। लवलीना बोरगोहेन (महिला वेल्टरवेट बॉक्सिंग) में कांस्य तथा पी.वी.संधु (महिला सिंग बैडमिन्टन) में कांस्य पदक जीतकर भारत की कीर्ति को बढ़ाया। किन्तु निशानेबाजी, तीरन्दाजी, कुश्ती व मुक्केबाजी से पदक जीतने की उम्मीद थी, जिन्होंने निराश किया।

महिला हॉकी टीम के खिलाड़ियों की दाद देनी होगी जो बहुत ही गरीब परिवारों व ग्रामीण परिवेश से आयीं थीं और जीत के जज्बे व जोश से सेमीफाइनल तक पहुंच कर देश की उम्मीदों को जगाया। इनकी जितनी तारीफ की जाये कम है।

हमें खेलों को खेल संस्कृति व खेल विज्ञान की तरह विकसित करना चाहिए तथा इन खेलों का क्रिकेट की तरफ प्रचार-प्रसार व विकास करना होगा। ग्रामीण प्रतिभाओं में से भी निष्पक्ष चयन कर उन्हें प्रशिक्षित करना होगा। साथ ही उनकी डाइट व खेल इक्यूपमेंट व अन्य सामान की उपलब्धता पर ध्यान देना चाहिए। खेलों में सीएसआर से फण्ड जुटाने की व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही खेल अधिकारी व सरकारें खेलों के प्रति सच्चाई से ध्यान देवें। खिलाड़ियों को रोजगार भी सुनिश्चित हो। कुमावत समाज भी अपने बच्चों को खेल से जोड़े।

**पदक तालिका**

| क्र सं. | देश | स्वर्ण पदक | रजत पदक | कांस्य पदक | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अमेरिका | 39 | 41 | 33 | 113 |
| 2. | चीन | 38 | 32 | 18 | 88 |
| 3. | जापान | 27 | 14 | 17 | 58 |
| **48.** | भारत | 1 | 2 | 4 | **7** |

अगला ओलम्पिक: पेरिस (फ्रांस)

# टोक्यो ओलम्पिक की 2 महान घटनाएं जो स्वर्णिम इतिहास बन गईं

**पहली घटना :** केनिया के सुप्रसिद्ध धावक अबेल मुताई आलंपिक प्रतियोगिता में अंतिम राउंड में दौडते वक्त अंतिम लाइन से कुछ मीटर ही दूर थे और उनके सभी प्रतिस्पर्धी पीछे थे। अबेल ने स्वर्ण पदक लगभग जीत ही लिया था, इतने में कुछ गलतफहमी के कारण वे अंतिम रेखा समझकर एक मिटर पहले ही रुक गए। उनके पीछे आने वाले स्पेन के इव्हान फर्नांडिस के ध्यान में आया कि अंतिम रेखा समझ नहीं आने की वजह से वह पहले ही रुक गए।

उसने चिल्लाकर अबेल को आगे जाने के लिए कहा लेकिन स्पेनिश नहीं समझने की वजह से वह नहीं हिला। आखिर मे इव्हान ने उसे धकेल कर अंतिम रेखा तक पहूंचा दिया। इस कारण अबेल का प्रथम तथा इव्हान का दूसरा क्रमांक आया। पत्रकारों ने इव्हान से पूछा तुमने ऐसा क्यों किया? मौका मिलने के बावजूद तुमने प्रथम क्रमांक क्यों गंवाया? इव्हान ने कहा मेरा सपना है कि हम एक दिन ऐसी मानवजाति बनाएं जो एक दूसरे को मदद करेगी ना कि उसकी भूल से फायदा उठाएगी। मैने प्रथम क्रमांक नहीं गंवाया। पत्रकार ने फिर कहा लेकिन तुमने कीनियाई प्रतिस्पर्धी को धकेलकर आगे लाए। इस पर इव्हान ने कहा 'वह प्रथम था ही, यह प्रतियोगिता उसी की थी।'

पत्रकार ने फिर कहा 'लेकिन तुम स्वर्ण पदक जीत सकते थे' तुम समझते हो उस जीतने का क्या अर्थ होता। मेरे पदक को सम्मान मिलता? मेरी मां ने मुझे क्या कहा होता? संस्कार एक पीढी से दूसरी पीढी तक आगे जाते रहते है। मैंने अगली पीढी को क्या दिया होता? 'दूसरों की दुर्बलता या अज्ञान का फायदा न उठाते हुए उनको मदद करने की सीख मेरी मां ने मुझे दी है।'

**दूसरी घटना :** टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की हाई जम्प फाइनल। फाइनल में इटली के जियान मारको टेम्पबरी का सामना कतर के मुताज़ इसा बर्शिम से हुआ। दोनों ने 2.37 मीटर की छलांग लगाई और बराबरी पर रहे! उसके बाद ओलंपिक अधिकारियों ने उनमें से प्रत्येक को तीन और प्रयास दिए, लेकिन वे 2.37 मीटर से अधिक तक नहीं पहुंच पाए। उन दोनों को एक और प्रयास दिया गया, लेकिन उसी वक्त टाम्पबेरी पैर में गंभीर चोट के कारण अंतिम प्रयास से पीछे हट गए। ये वो क्षण था जब मुताज बरशिम के सामने कोई दूसरा विरोधी नहीं था औऱ उस पल वह आसानी से अकेले सोने को जीत सकते थे !

लेकिन बर्शिम के दिमाग में कुछ घूम रहा था औऱ फिर कुछ सोचकर उसने एक अधिकारी से पूछा, 'अगर मैं भी अंतिम प्रयास से पीछे हट जाऊं तो क्या हम दोनों के बीच गोल्ड मैडल साझा किया जा सकता है?' कुछ देर बाद एक आधिकारी जाँच कर पुष्टि करता है और कहता है 'हाँ बेशक गोल्ड आप दोनों के बीच साझा किया जाएगा'।

बर्शिम के पास और ज्यादा सोचने के लिए कुछ नहीं था। उसने आखिरी प्रयास से हटने की घोषणा की। यह देख इटली का प्रतिद्वन्दी ताम्बरी दौड़ा और मुताज बरसीम को गले लगा कर चिल्लाया! दोनों भावुक होकर रोने लगे। लोगों ने जो देखा वह खेलों में प्यार का एक बड़ा हिस्सा था जो दिलों को छूता है। यह अवर्णनीय खेल भावना को प्रकट करता है जो धर्मों, रंगों और सीमाओं को अप्रासंगिक बना देता है !!! इंसान का किरदार किसी भी मैडल से बड़ा है ।

# भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा ( रजि. ) चुनाव महासभा एवं उसके चुनाव पर चर्चा

आजकल महासभा के उत्तरी-पूर्वी जोन के चुनाव हो रहे हैं। प्रत्याशी व उनके समर्थक आपके घर फोन व व्हाट्सएप पर, दस्तक दे रहे होंगे। साथियों, वोट आपका है, वोट किसे दे यह निर्णय पूरे विवेक से करें। क्या प्रत्याशी समाजहित में थोड़ा भी सोचता है तथा क्या उसने अतीत में समाज की भलाई का कार्य किया भी है या नहीं, इसका आंकलन करके स्वच्छ छवि वाले प्रत्याशी को ही चुने।

महासभा के ये चुनाव लगभग 11 वर्ष बाद हो रहे हैं, जबकि तीन वर्ष बाद होने चाहिए थे। इस प्रकार वर्तमान पदाधिकारी लगभग 4 टर्म के बराबर पदासीन रह चुके है।

हमारा मानना है कि पिछले प्रत्याशी तब ही चुनाव में खड़े हो, जब वे उपलब्धियां बताने में समर्थ हों। पिछले 10-11 वर्षों का आंकलन यदि कोई भी करें तो एक-आध सम्मान समारोह अवश्य किए हैं। दूर-दूर से आये विद्यार्थियों को एक प्रशंसा पत्र व मोमेन्टों अवश्य दिए थे। 10-11 वर्ष की अवधि काम करने के लिए कम नहीं होती है। यदि इसमें संस्था काम नहीं कर पाए तो संस्था पर प्रश्न चिह्न लग जाता है। हम अखिल भारतीय स्तर की संस्था का दम भरने की बात करते हैं पर लगभग 25,000 सदस्यों वाली संस्था ही बन पाई। पदाधिकारी जयपुर के बाहर गए व इनका वहां सम्मान हुआ पर वहाँ संस्था का संगठनात्मक ढांचा खड़ा नहीं कर पाये।

महासभा के निम्न महत्वपूर्ण कार्य होते हैं जिन पर विचार करना चाहिए :-

- रचनात्मक कार्य करना जो जो महासभा की मुख्य जिम्मेदारी है।
- समाज को विद्यालय, छात्रावास, व्यावसायिक/रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र, प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- गरीब छात्र-छात्राओं की फीस, पुस्तकें, यूनिफार्म आदि की व्यवस्था करना।
- संस्था की सदस्यता को बढ़ाना।
- समाज की जनगणना कराना।
- चुनावों को न्यायिक विवादों से दूर रखना।
- आय-व्यय की पारदर्शी व्यवस्था करना।
- अन्य समाज के लोग यदि हमारे समाज जनों को पीड़ित करें, मारपीट करें तो महासभा अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर उससे निपटे।
- कोरोना तथा अन्य समस्याओं के घिरने पर समाजजनों की सेवा करना।
- विधवा एवं गरीब महिलाओं की यथा संभव मदद करना।

कहने का तात्पर्य यह है कि महासभा कि वर्तमान कार्यकारिणी को ये सभी कार्य करने के लिए 11 वर्ष का बहुत ज्यादा समय मिला। समाजजन विचार करें की इस अवधि में पिछली कार्यकारिणी द्वारा कितने कार्य किए गए।

फिर से वहीं चेहरे एवं उनके साथी महासभा चुनाव में खड़े हैं। भई, संस्था में रहने की सीमा होती है, और फिर कहीं तो विराम देना होगा। अन्यथा नये एवं युवा चेहरे तथा सत्यनिष्ठा से समाजहित में कार्य करने वालों का नम्बर कब आयेगा?

पिछले वर्षों में महासभा के व्हाट्सएप ग्रुप पर अशोभनीय भाषा ने पद की गरिमा को निम्नतम स्तर पर ला दिया था। इन दिनों चेन्नई के एक समाज बन्धु की पोस्ट वाइरल होते हम सभी देख रहे हैं। जिसमें महासभा के शीर्ष पदाधिकारी पर राशि के लेनदेन में धोखाधड़ी की पीड़ा व्यक्त करते गम्भीर आरोप लगाये गये हैं। इसका खण्डन महासभा के पदाधिकारी जो पुनः प्रत्याशी हैं, द्वारा नहीं किया गया है। इसका आशय एक सामान्यजन यहीं लगायेगा कि आरोप सही है तथा उसके पास इन आरोपों का जवाब नहीं है। अतः इन आरोपों से मतदाताओं का मानस बदल सकता है।

जो व्यक्ति समाज के नेता के रूप में स्वयं को प्रस्तुत कर रहा हो वह सत्यनिष्ठ, चरित्रवान, सहयोग की प्रवृत्ति के साथ मितभाषी व मधुरभाषी होना चाहिए। उसकी दृढ़ इच्छा व जीजीविषा समाज के लिए कार्य करने की हो। किन्तु महासभा के व्हाट्सएप ग्रुप पर महासभा के एक पदाधिकारी ने अभद्र भाषा प्रयुक्त की, यह सिलसिला कई दिन चला। जबकी गरिमापूर्ण व्यवहार करके उदाहरण समाजजनों के समक्ष रखने की आवश्यकता थी।

अतः मतदाता अपने विवेक से उसे चुने जो सही उम्मीदवार हो और समाजहित में कार्य करने का उसमें सामर्थ्य व इच्छा शक्ति हो। अन्यथा महासभा का भविष्य कैसा होगा आप सब समझते हैं।

## विमलेश कुमावत को पीएचडी

विमलेश कुमावत द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. राजीव उपाध्याय ईएएफएम विभाग के निर्देशन में 'द क्रिटिकल स्टडी ऑफ सोश्यो-इकोनॉमिक डवलपमेंट विद द हेल्प ऑफ मनरेगा इन राजस्थान' केस स्टडी ऑफ सलेक्टेड विलेज ऑफ जयपुर डिस्ट्रिक्ट की है। जिस पर उन्हें पीएचडी की उपाधि दी गई है।

कुमावत इंडिया पत्रिका द्वारा विमलेश कुमावत को पीएचडी करने पर बधाई।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

## विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर

## ''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

19 जुलाई श्रीमती सीता देवी धर्मपत्नी श्री रामस्वरूप मारोठिया, धावास, जयपुर
20 जुलाई श्री मदन लाल पुत्र स्व. श्री ओंकार नारायणीया इमली फाटक, जयपुर
20 जुलाई श्रीमती मधु देवी धर्मपत्नी श्री रामकिशोर वघाणिया, सांगानेर, जयपुर
27 जुलाई श्री कजोड़मल पुत्र स्व. श्री कल्याण सारड़ीवाल, गोहन्दी, जयपुर
29 जुलाई री मदन लाल ठेकेदार भोरोदिया, कुमावतों की ढाणी, जयपुर
2 अगस्त श्री विनीत सिंह पुत्र श्री ओम प्रकाश तांगडा, गंगापोल, जयपुर
7 अगस्त श्री रमेश छापोल पुत्र श्री रामदेव कुमावत, गोपालपुरा, जयपुर
8 अगस्त श्री कल्याण सहाय जी देवतवाल महादेव नगर, बाईस गोदाम, जयपुर
9 अगस्त श्री बाबूलाल पुत्र श्री बनवारी लाल (शेखावाटी वाले) जयपुर
10 अगस्त श्री राधेश्याम जी आसीवाल, धोली मंडी, चोमू
10 अगस्त श्री पूरणमल कुमावत पुत्र स्व. श्री नानूराम जी मारवाल, जयपुर
14 श्री रामकुमार बालोदिया, बनीपार्क, जयपुर
16 श्रीमती मनभर देवी पत्नी स्व. सुवालाल जी अनावड़िया, जयपुर
17 अगस्त श्रीमती रेनु कुमावत पत्नी श्री दिनेश कुमावत, जयपुर

## कुमावत मित्र परिषद की ओर से स्नेह मिलन कार्यक्रम

31/7/ 2021 को ग्राम पड़ासोली, आसींद, भीलवाड़ा में कुमावत मित्र परिषद की ओर से स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन पूर्व एमएलए साहब नानू राम जी कुमावत सामाजिक क्रांति के जनक प्रभु लाल जी कुमावत सीआई साहब के सानिध्य में हुआ। जिसमें राकेश जी वर्मा एडीएम भीलवाड़ा, पीएस नागा एडीएम पाली, सुनील जी कुमावत, डीएसओ भीलवाड़ा, लक्ष्मीनारायण जी कुमावत इंजीनियर माइनिंग भीलवाड़ा, शंकर जी कुमावत साहब प्रधान मांडल, बाबूलाल जी इफको मैनेजर भीलवाड़ा, बृजमोहन जी कुमावत अध्यक्ष धनेश्वर, सतनारायण जी कुमावत पार्षद भीलवाड़ा, सत्यनारायण जी कुमावत प्रांत बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, गोपाल जी कुमावत महामंत्री धनेश्वर, समाज के उभरते कवि परमेश्वर कुमावत एवं मित्र परिषद के सभी सम्मानित सदस्यगण द्वारा वर्तमान समय एवं समाज का विकास शिक्षा से ही समाज का विकास बिंदुओं पर चर्चाएं की एवं अपने अनुभव सभी के साथ शेयर कर युवाओं को समाज एवं राष्ट्र हित में कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | सज़्पर्क सूत्र | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | मो. नज़्बर | |
| पुनीत | CA, M.Com | Ass. Manager LiC | 20.11.92 | 5'4'' | माचीवाल | काज़्या | मनेठिया | मामोडिया | 8407643148 | जयपुर |
| दीनेश | B.A. | Sony Camera | 25.10.90 | 5'6'' | कारगवाल | मारवाल | नेमीवाल | अडानिया | 9024576668 | जयपुर |
| कमल | M.Com. | Garments | 22.10.86 | 5'9'' | नोकवाल | खूखवाल | जालवाल | मारोठिया | 7727800555 | जयपुर |
| आकाश | M.Com. | Jur. Account | 16.7.92 | 5'7'' | धुंधारिया | सिरस्वा | कारगवाल | सिघेटिया | 9829726062 | जयपुर |
| पियुष | B.Tech. (E.C.) | Compition | 5.9.97 | 6'0'' | मावर | पारमवाल | धनेरिया | मारोठिया | 9799276809 | अजमेर |
| घनश्याम | M.Com. | E-Mitra | 8.8.93 | 5'8'' | उदयवाल | सिरोहिया | कुलचानिया | दोराया | 9950840310 | जयपुर |
| भगवानसहाय | M.C.A. | E-Commerce | 31.3.97 | 5'8'' | खोरानिया | बारावाल | बीर्थल्या | मारोठिया | 9314622251 | जयपुर |
| मोनू | B.Tech. | Indina Railway | 28.3.95 | 5'11'' | कुद्दीवाल | मामोडिया | देवतवाल | सिरोहिया | 9351157183 | जयपुर |
| विशाल | M.Sc.Tech | Soft Engi. Google | 1.3.93 | 5'9'' | देवतवाल | बेरा | राहोरिया | तूंदवाल | 9001195272 | जयपुर |
| मनीष | M.A. BEd. | Teacher | 25.5.88 | 5'5'' | संदुडिया | ओस्तवाल | बातरा | सिंघनवाल | 8107931657 | नाथद्वारा |
| हिमांशु | M.Tech. | Site Engi. | 12.7.91 | 5'10'' | भडानिया | मारवाल | खोवाल | उदयवाल | 9784086370 | जयपुर |
| खुशहाल | M.Com | Govt job | 9.11.94 | 6'0'' | कारगवाल | मारोठिया | कुन्डलवाल | राहोरिया | 7240780904 | ज़्यावर |
| निपेन्दर | 12th | Stone marketing | 12.10.91 | 5'6'' | पालडिया | नागा | बज़्बोरिया | बौज़्डर | 9950144352 | जयपुर |
| डॉ. पवन | BHMS | Private Hospital | 23.11.90 | 5'10'' | जलान्दरा | तूंदवाल | देवतवाल | घोड़ेला | 9602403524 | जयपुर |
| गोविन्द | M.Com. | Private (18000) | 29.5.97 | 5'5'' | सींघीवाल | किरोड़ीवाल | कुन्डलवाल | कारगवाल | 9929456900 | ज़्यावर |
| शुभम | B.Com.PGDCA | Private | 13.7.97 | 5'3'' | नरानिया | कुदाल | गैदर | तुन्दवाल | 9827040794 | इन्दौर |
| लज़्की | M.Com. | Finance Banks | 20.7.95 | 5'7'' | घटेलीवाल | खण्डारिया | दौराया | सिरोठा | 9828245588 | जयपुर |
| प्रशान्त | B.Com. | Private | 30.6.92 | 5'10'' | लोरवाडिया | मामोडिया | तूंदवाल | मारवाल | 9250141041 | देहली |
| शुभम | M.Com.IPCC | Difital marketing | 20.4.96 | 5'10'' | माचीवाल | धमूनिया | सीमाट | घोड़ेला | 9828567752 | जयपुर |

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | सज़्पर्क सूत्र | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | मो. नज़्बर | |
| आंचल | BCA, MBA | Private Agency | 17.4.96 | 5'5'' | मण्डेलिया | झुंझुनोदिया | लीज़्बीवर | कुदाल | 9414556644 | भीलवाड़ा |
| मोनिका | ICSI, B.Com. | CS in Pricate Comp. | 8.10.89 | 5'4'' | बीवाल | पारमवाल | तूंदवाल | घासोलिया | 9828415271 | कोटा |
| मोना | B.A. | - | 9.8.91 | 5'6'' | बासनीवाल | खूंखवाल | धुंधारिया | जूनवाल | 9982799734 | जयपुर |
| मंजू | 10th | - | 20.12.89 | 5'5'' | तूंदवाल | माराल | घासोलया | खोवाल | 6375971363 | शेखावाटी |
| तनीशा | B.A. | मांगलिक | 21.9.2001 | 5'3'' | मारोठिया | सिरसीवाल | कूदीवाल | मालिया | 9214949523 | म.प्र. |
| अदिती | M.B.A. | Motors ARIDA | 5.8.90 | 5'4'' | देवतवाल | खोरानिया | घोड़ेला | केकटिया | 9828142731 | जयपुर |
| मनीषा | M.Com. | - | 25.5.96 | 5'7'' | देवतवाल | पारमवाल | नोखवाल | घोड़ेला | 7014851301 | अजमेर |
| मोनिका | B.Tech. | Private, Jaipur | 19.10.95 | 5'5'' | दोराया | बघानिया | जूनवाल | घोड़ेला | 7014651258 | जयपुर |
| शिल्पा | B.Com (Fashion design) | Private | 27.12.95 | 5'4'' | कुकडवाल | कच्छावा | राहोरिया | गहलोत | 9890960248 | भिवाड़ी |
| रीता | M.Com.. B.Ed | Teacher | 24.7.90 | 5'4'' | तीरपुरिया | घोड़ेला | नीमीवाल | खरोलिया | 9261111106 | जयपुर |
| आरती | M.Com. | - | 22.1.98 | 5'0'' | जायलवाल | मारोठिया | केलगुलिया | राहोरिया | 9785297658 | ज़्यावर |
| अनू | M.Com. (मांगलिक) | LDC in Govt. Serv. | 27.11.92 | 5'5'' | सिरस्वा | शोकल | बेरा | अजमेरा | 9610729422 | जयपुर |
| किरन | MBA | Hospital in delhi | 18.3.86 | 5'2'' | गडवाल | दोबल्दिया | छापरवाल | किरोडीवाल | | |
| शीतल | B.Sc.BSTC | Compatitive Ex. | 15.1.91 | 5'4'' | रेनीवाल | घोड़ेला | राहोरिया | जलान्दरा | 9887719687 | चिज़ौड़गढ़ |
| नीलम | M.A. (Divorced) | Own Botique | 23.5.92 | 5'4'' | मारोठिया | जलान्दरा | दज़्बीवाल | घोड़ेला | 9166631001 | किशनगढ़ |
| नवीता | B.Sc.BEd BJMC | - | 5.7.92 | 5'3'' | नराणिया | बालोदिया | घोड़ेला | देवतवाल | 9351086283 | जयपुर |

**नोट :** 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

## पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

### पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज ( माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी ) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

[redacted]

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

[redacted]

[redacted]

तीन वर्षीय सदस्य मार्च 2021 तक क्र.सं. 1 से 340 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

## 'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

**जयपुर :**

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432

**ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

**दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

**फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

**नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।**

वैवाहिक

# Punit kumawat

**Date of birth** - 20.11.1992
**Birth Place & Time**- Jaipur/5:30PM
**Complexion** - Fair
**Height** - 5.4"
**Weight** - 55kg
**Qualification** - CA ( Charted Accountant) B.Com, M.com
**Work Place** - LIC Housing Finance LTD. Meerut(U.P)
**Occupation** - Assistant Manager
**Family Details**
**Father** - Pradeep kumawat (Government employee)
**Mother** - Asha Kumawat
**Sibling** - 2 sisters both are Married
**Permanent location** :- S-36, Shanti nagar, khatipura road. Jaipur (Rajasthan)
**Current location** - Meerut ( U.P)
**Family Gotra details**
Self - Machiwal Mother - Kamiya
Dadi - Manethiya Nani - Momodiya
**Contact no** - 9799286300

वैवाहिक

# Vishal Kumawat

**(Non-manglik)**

**Date of birth** : 01.03.1993 Time :06.45 AM
**Birth Place** : Phulera (Jaipur, Rajasthan)
**Height** : 5'9"
**Education** : MSc.Tech (IS) from BITS Pilani (2010-14)
**Job** : Software Engineer (ML) in GOOGLE at Bangalore
**Pay & Perks** : 56 Lakhs per annum
**Looking for** : Professionally qualified suitable girl
**Father** : Rajendra Kumawat, Dy. Chief Engineer, Railway
**Mother** : Smt. Sumitra Kumawat (Home maker)
**Siblings** : Bharti (B.Tech) married to Sh. Deshraj Kumawat (B.Tech-Software Engineer)
**Gotra** : Self : Devatwal (Phulera)
Mother : Bera (Ajit garh)
Dadi : Rahoriya (Kishangarh)
Nani : Tundwal (Ajitgarh)
**Contact Details**
**Father** : 9001195272
**Residence** : Vaishali nagar, Jaipur

## जयसिंह गुडीवाल को

कुमावत इंडिया पत्रिका में

सह-सम्पादक

व

भाजपा द्वारा वार्ड 141 का

अध्यक्ष

मनोनीत किये जाने पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

**बाबूलाल कुमावत**
(गैदर)

**राकेश कुमावत**
एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय
मो. 9829152561

# जामुन के फायदे

### जामुन से गुठली ज्यादा लाभदायक !!!

जामुन का फल ज्यादातर गर्मी में आता है। यदि इस जामुन का उपयोग घर में अच्छे से किया जाए तो सोने पे सुहागा या आम के आम गुठलियों के दाम वाली कहावत चारितार्थ होती है। जामुन फल का उपयोग एंटीऑक्सिडेंट, रक्त शोधक, मधुमेहरोधी, बवासीर, स्प्लेनोमेगाली, मसूड़े की सूजन, मूत्र संबंधी समस्याएं, मूत्र पथ के संक्रमण के रूप में किया जाता है।ज्यादातर जामुन का उपयोग खाने में किया जाता है लेकिन यदि इसका जूस बना कर इसमें काला नमक या सेंधा नमक डाल कर पिया जाए तो ज्यादा स्वादिष्टलगता है ज्यादा गुणकारी होता है। जामुन के फल का उपयोग जामुन स्लश, जामुन शॉर्ट्स, जामुन स्मूदी, जामुन जैम, जामुन लड्डू, जामुन रायता, जामुन आइसक्रीम बनाने के लिए किया जाता है।

### जामुन बीज

जामुन के बीज का उपयोग थकान, खिंचाव, त्वचा की समस्याओं, स्ट्राइकिन के विषनाशक, मधुमेह, मसूड़े की सूजन, कार्डियोप्रोटेक्टिव, नेत्र सुरक्षा, हीमोग्लोबिन में किया जाता है।जामुन के बीजों को सूखा कर, इनका चूर्ण बना लिया जाता है, और रोजाना एक चमच पानी के साथ लेने पर डाइबीटीज की बीमारी में बहुत लाभदायक होता है।

### जामुन की छाल

पेशाब की समस्या में छाल का उपयोग, यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन, डायरिया, पेचिश, मेनोरिया, अस्थमा, गार्गल के रूप में, माउथवॉश के रूप में, जलती हुई त्वचा की ड्रेसिंग में।

जामुन की पत्तियां त्वचा की समस्याओं और घाव भरने के लिए पेस्ट के रूप में उपयोग की जाती हैं; जामुन के पत्तों का रस पेचिश और मसूड़े की सूजन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।जामुन का उपयोग एंटीऑक्सिडेंट, एंटीएलर्जिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल, रेडियोप्रोटेक्टिव, एंटीडायबिटिक, कार्डियोप्रोटेक्टिव, एंटीहाइपरलिपिडेमिक, हेपेटोप्रोटेक्टिव, आई प्रोटेक्टिव, डाइजेस्टिव, एंटीकैंसर के रूप में किया जाता है।ज्यादा जानकारी के लिए आप यूट्यूब पर विडिओ देख सकते है, https://www.youtube.com/c/pawanbasniwal

**-पवन बासनीवाल**

# नवोदित आर्टिस्ट नीरज कुमावत

नीरज कुमावत पुत्र श्री लाल चंद जी धुंधारिया जो 22 वर्ष के है तथा M.Com में अध्ययनरत हैं के द्वारा पेंसिल व कलर से बनाई हुई उत्कृष्ट कलाकृतियों को देखकर कोई भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। इस नवोदित कलाकार को 'कला के प्रति' अपने विचार भी साझा किए जो निम्न प्रकार है:-

कला एक ऐसा विषय है जो हर देश, आयु व वर्ग में सम्मानित है, परंतु कला के शुद्ध रूप को बनाए रखना हर कलाकार का कर्तव्य है। मेरे भविष्य और जीवन में कला का महत्व तो आजीवन रहेगा ही परंतु उनके लक्ष्य निम्नानुसार रहेंगे:-

1 - कला के नाम पर असत्य को प्रचारित न किया जावे।

2 - अश्लीलता का प्रचार न हो। (नृत्य, गायन, चित्रकारी इत्यादि में)

3 - कला का स्वरूप सुधारने का काम हो, जैसा कि वर्तमान में गाने (अश्लील वा द्विअर्थी) बनाए और सुने जाते हैं (यद्यपि सभी नहीं), यह कला और विद्या का सदृश अपमान है।

4 - महापुरुषों की छवि/गरिमा के साथ कला के नाम पर समझौता न किया जावे।

यह उनकी कथनी ही नहीं करनी भी रही। संगीत सीखते समय और परीक्षा में भी (संगीत में कुछ ख्याल थे जो योगेश्वर भगवान श्री कृष्णचंद्र जी की उज्ज्वल छवि को धूमिल करते थे) अनुचित गायन को कभी उनके द्वारा प्रोत्साहन नहीं दिया गया, न कभी आगे दिया जाना बताया।

**कला के क्षेत्र में भविष्य :** हमारा समाज कला विद्या को तुच्छ समझता है। उनके स्वयं के जीवन में ऐसे क्षण आए तब कुछ लोगों ने उनका रुझान कम करने का प्रयास किया तथा अनेकानेक उदाहरण दिए गए की कला के क्षेत्र में कुछ नहीं रखा। उनका कला के क्षेत्र में इतना ही प्रयास रहेगा की जो भी कभी उनसे सीखे तो वह उचित अनुचित का भी ज्ञान लेवे, समझे और औरों को समझावे। छोटे बच्चो को फिल्मी संगीत और फूहड़ किस्म के गीतों से दूर ही रखा जावे ताकि वे गंदगी में न फंसकर, आध्यात्मिक और श्रेष्ठ कला को पहचाने और सीखे - सिखावे।

नवोदित आर्टिस्ट नीरज कुमावत की बनाई गई उत्कृष्ट कलाकृतियों एवं उनके विचारों की 'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रशंसा करती है तथा इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

**- रामप्रकाश मारवाल**

# शतायु संज्या देवी का 108 वर्ष की उम्र में निधन

श्रीमती संज्या देवी कुमावत पत्नी स्व. श्री कल्याणमलजी सिंगाठिया का 8 अगस्त 2021 को निधन हो गया। जीवन के 108 बसन्त देख चुकी श्रीमती संज्या देवी मारोठ वाले भैरूजी के मंदिर वाली सिंगाठियों की ढाणी, जोबनेर की रहने वाली थी। साक्षर नहीं होने के बावजूद भरे-पूरे परिवार को एकजुट रखा तथा उनकी अच्छी परवरिश की। उनके निधन से पूरा कुमावत समाज शोक में डूब गया। रविवार को जोबनेर, जयपुर स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीणों ने बताया संज्या देवी गाँव की सबसे बुजुर्ग महिला थी। प्रभुनारायण सिंगाठिया ने बताया कि वे अपने जीवन में कभी बीमार नहीं हुई। कुमावत समाज की विभिन्न संस्थाओं ने उनके निधन पर शोक जताया है।

समाज की सबसे बुजुर्ग महिला संज्या देवी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनकी दिवगंत आत्मा को शान्ति प्रदान करे व अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्रद्धापूर्ण पुण्यतिथि

स्व. 24.08.2016
पंचम पुण्यतिथि
24 अगस्त, 2021
**स्व. श्री कायमलाल आसीवाल**

स्व. 03.04.2003
18वीं पुण्यतिथि
03 अप्रैल, 2021
**स्व. श्रीमती भंवरी देवी**

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय
श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

आपके स्मरण में

श्रद्धावन्त :
पी.एल. वर्मा – किरण, ओ.पी. वर्मा – मीना,
आर.पी. वर्मा – संतोष (पुत्र–पुत्रवधु)
रामेश्वरी देवी – स्व. श्री पूरण चन्द मारोठिया (पुत्री–दामाद)
रवि–रेखा, राजीव–प्रीति, नितिन–कोमल,
नवीन–वेदांशी, अंकित–प्रीति (पौत्र–पौत्र वधु)
अक्षय खोवाल–भारती, शशी मोरवाल–आरती,
अश्वनी खोवाल–नितिका (पौत्री–पौत्रीदामाद)
चि. पौत्री, पड़पौत्र एवं पड़पौत्री व समस्त आसीवाल परिवार

म.नं. 4, 7 गांधीनगर औझाजी का बाग व 92
एस.बी. विहार रामनगर स्टेशन सोड़ाला, जयपुर
मो. 9660047342, 9314909115

## आभार

हमारे प्रिय
**श्रीमती रेनु कुमावत**
( पत्नी दिनेश कुमावत )
का आकस्मिक निधन
17 अगस्त, 2021 को हो जाने पर

हमारे रिश्तेदारों, मित्रों, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों आदि द्वारा फोन, वॉट्सएप आदि से सांत्वना संदेशों द्वारा इस दु:ख की घड़ी में हमें सम्बल देकर मनोबल बढ़ाया। हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

**आभारी**

ससुर-सास : पूरणचन्द कुमावत-श्रीमती प्रमिला
चाचा ससुर-सास : विमल कुमावत-स्व. श्रीमती नमिता
जेठ-जेठानी : बाबूलाल-नीलम, अरुण कुमावत-माया, सुनील कुमावत-लीला, पति : दिनेश कुमावत, देवर-देवरानी : गौरव-संजू
ननदोई-ननद : हरिश-सुशीला, स्व. डॉ. महेन्द्र-पलक, भतीजे : नमन, हेमांग, पुत्रियां : यति, निक्षिता एवं समस्त अनावड़िया परिवार
9828181861, 9829143475, 9828120658,9772222331

श्रद्धांजलि

05.08.2014

## सातवीं पुण्यतिथि

5 अगस्त, 2021
**स्व. श्री नारायण लाल खड़गटा**
सेवानिवृत सीनियर मिस्त्री, राज. विश्वविद्यालय

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय
श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावन्त :
धर्मपत्नी – श्रीमती बसन्ती देवी
पुत्र–पुत्रवधु – श्रीमती राधा देवी – स्व. श्री अरूण कुमार
जयकुमार – नीशा
भतीजे : हेमचन्द खड़गटा, चन्द्रकान्त खड़गटा, गजेन्द्र खड़गटा
भाविका - राहुल मारवाल ( पौत्री- पौत्रीदामाद )
लव कुमार –मनीषा, मोहनीश-बबिता ( पौत्र–पौत्रवधु )
प्रिंस खड़गटा ( पौत्र )
ओशिका (पौत्री) शिवांश ( पड़पौत्र )

निवास : खडगटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर – 302004
मो.: 9660038439, 9929540538, 7023333776

श्रद्धांजलि



स्व. 12 अगस्त, 2019

हमारे पूज्य
**श्री साधुलाल सिरसवा**
( राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री )
द्वितीय पुण्यतिथि 12 अगस्त, 2021

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय
श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

**श्रद्धावन्वत**

तारामणि ( धर्मपत्नी )
जितेन्द्र कुमावत-कविता, दिनेश कुमावत-कंचन,
श्रीराम कुमावत-अनिता ( पुत्र-पुत्रवधु ),
हिमांशु, हितेश, रियांश ( पौत्र ) एवं समस्त सिरस्वा परिवार

**निवास : मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर**
**मो. 9680202089**

## 75वे स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित समाजजनों को कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से इन्हें बधाई व उज्वल भविष्य की कामना

**श्री मुकेश कुमार कुमावत** का 15 अगस्त 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव पर LIC के मंडल कार्यालय, जयपुर 2 के SDM श्री पी के मिश्रा द्वारा One day wonder star के खेताब ओर गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया।

**पी डी कुमावत** मंच संचालक व राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मनित का उपखण्ड स्तरीय समारोह, दांतारामगढ़ में उप जिला कलेक्टर श्री राजेश मीना RAS व cbeo श्री नानू राम जाट द्वारा सम्मानित किया गया।

पिंटू जी कुमावत, थाना किशनगढ़ में पदासीन का उर्त्कष्ट कार्य के लिए उपखण्ड स्तर पर प्रशंसा पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मान किया गया।

**मोनिका कुमावत** संस्थापक कृष्णम योगास्थली को 75 वें स्वतंत्रता दिवस 2021 को उपखंड स्तर पर उनकी उपलब्धि 10 मिनट 58 सेकंड में 108 बार सबसे तेज गति से सूर्य नमस्कार करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर सम्मानित किया गया।

**भागचंद कुमावत** SDE, BSNL का राजस्थान टेलीकॉम सर्किल द्वारा वर्ष 2020-21 में CNMD JPTD में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

**श्री आशीष कुमावत** (सहायक अभियंता यूआईटी) को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रभारी मंत्री द्वारा गांधी ग्राउंड में सम्मानित किया गया, बधाई।


हमारे गुरूजी जयसिंह जी गुडीवाल को

कुमावत इंडिया पत्रिका में

सह-सम्पादक

व

भाजपा द्वारा वार्ड 141 का

अध्यक्ष

मनोनीत किये जाने पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

मनीष कुमावत
कनिष्ठ सहायक, इग्नू, जयपुर
मो. 9660702083

रोहित कुमावत
स्टेनोग्राफर, सेशन कोर्ट, कोटपुतली
मो. 9549520967

निवासी- 26, कृष्ण विहार, माल की ढाणी, सांगानेर, जयपुर

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल को

कुमावत इंडिया पत्रिका में

सह-सम्पादक

व

भाजपा द्वारा वार्ड 141 का

अध्यक्ष

मनोनीत किये जाने पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

शंकरलाल बालोदिया (ॐ श्री श्याम फ्लावर्स)
रूम डेकोरेशन, कार डेकोरेशन, स्टेज, मंडप, वरमाला व लॉन डेकोरेशन के स्पेशलिस्ट, आर्किड, पेटेन्स व लीली गुलाब की स्पेशल वरमाला होल सेल रेट में उपलब्ध
मो. 8209804520, 9928860105

म्हारी छोरी, छोरों से कम है के!!!

By the grace of God and your blessings

KHWAISH

has completed her 10th exam
with flying colors.

She scored 98%...

We are overwhelmed to see her success and
wish to share our happiness with you.
Please keep showering your blessings on her
for her future goals in life.
Our family is elated to celdbrate her achievement.

Fondly remembering Dada-Late Shri Jugal Kishore ji Kumawat
Maa-Geeta Devi Kumawat
Mummy/Papa-Vinita/Raj Kumawat
Super Cool Brother-Vyeom Kumawat
Nana-Nani -Radhey Shyam Johri/Kamla

Boriwali, Mumbai

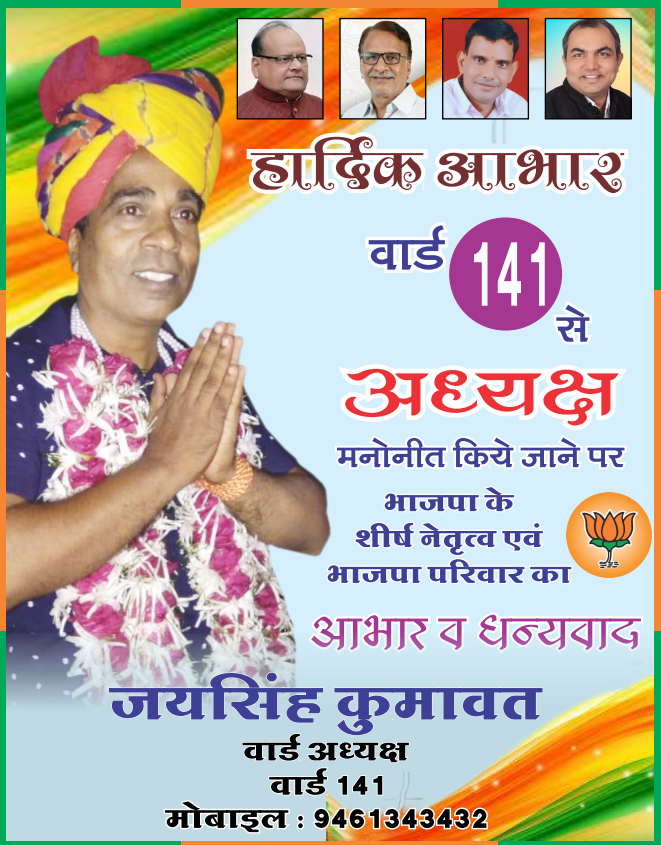


हार्दिक आभार

कुमावत इंडिया पत्रिका में

सह-सम्पादक

बनाये जाने पर

जयसिंह गुडीवाल

कुमावत प्रगति ट्रस्ट को

धन्यवाद व आभार

# Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service )

All India Equipments Rental Service Provider

**Jai Kishan Kumawat**
+91- 9829125428
+91- 9887011175

**Shankar Lal Kumawat**
+91- 9887227775

**Mukesh Kumar Kumawat**
+91- 9887337775

**H.O.**
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

**B.O.**
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-ए., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018